चैत्र कृष्ण - 14 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 240 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 28-03-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 प्रकृति से विशेष प्रतिभा और ऊर्जा प्राप्त हैं विशेष योग्यजन बच्चे : दीया कुमारी

6 अन्य देशों में रह रहे हिंदुओं के साथ खड़े रहने की आवश्यकता

7 'रेड-2' में विलेन का किरदार निभाएंगे रितेश देशमुख

फर्स्ट टेक

मिस्र तट के नजदीक डूबी पनडुब्बी से 38 रूसियों को बचाया गया

काहिरा/एपी। मिस्र के रिजॉर्ट शहर हर्गहाडा के पास बृहस्पतिवार को लाल सागर में डूबी एक पर्यटक पनडुब्बी से 38 रूसियों को बचा लिया गया है। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी ने यह जानकारी दी। आरआईए नोवोस्ती समाचार एजेंसी ने हर्गहाडा में रूसी वाणिज्यदूत के हवाले से बताया कि बचाए गए लोगों में से 14 को अस्पताल ले जाया गया, जबकि बाकी लोग अपने होटलों में लौट गए। मिस्र के दो अधिकारियों ने पहचान गुप्त रखते हुए एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि डूबने से छह लोगों की मौत हो गई। रूस की समाचार एजेंसी 'तास' ने बताया कि पांच रूसी लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। छठे व्यक्ति की राष्ट्रीयता का तुरंत पता नहीं चल पाया है।

आयकर विभाग के कार्यालय 29-31 मार्च को खुले रहेंगे : सीबीडीटी

नई दिल्ली/भाषा। करदाताओं को चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए लंबित कर संबंधी कामकाज निपटाने में सुविधा प्रदान करने के लिए देशभर में आयकर विभाग के कार्यालय 29 से 31 मार्च तक खुले रहेंगे। चालू वित्त वर्ष, 31 मार्च को समाप्त हो रहा है। सप्ताहांत और सोमवार को पड़ने वाली ईद-उल-फितर के बावजूद देश भर में आयकर विभाग के कार्यालय खुले रहेंगे। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आदेश में कहा, '' लंबित विभागीय कार्यों को पूरा करने की सुविधा के लिए समूचे भारत में सभी आयकर कार्यालय 29, 30 और 31 मार्च 2025 को खुले रहेंगे।'' चालू वित्त वर्ष का अंतिम दिन 31 मार्च 2025 है। इसलिए इस वित्त वर्ष से संबंधित सभी सरकारी भुगतान और निपटान उसी दिन तक पूरे करने होंगे। 2023-24 के लिए अद्यतन आय कर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि भी 31 मार्च है।

मणिपुर में पांच किलोग्राम हेरोइन बरामद

इंफाल/भाषा। मणिपुर के इंफाल पूर्वी जिले में पुलिस ने एक लावारिस वाहन से करीब पांच किलोग्राम संदिग्ध हेरोइन बरामद की है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि वाहन में 419 साबुनदानियों में हेरोइन छिपाकर रखी गई थी। पुलिस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि 25 मार्च को 5.5 किलोग्राम संदिग्ध हेरोइन पाउडर की बरामदगी के साथ ही तीन मादक पदार्थ तस्करों की गिरफ्तारी के बाद मणिपुर पुलिस ने एक और वाहन को पकड़ा, जिसे इंफाल पूर्वी जिले में लावारिस छोड़ दिया गया था।

27-03-2025 सूर्यास्त 6:31 बजे	28-03-2025 सूर्योदय 6:18 बजे
BSE 77,606.43 (+317.93)	NSE 23,591.95 (+105.10)
सोना 9,244 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 100,300 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दगाबाज

कभी विश्वास मत करना कि,
पाकिस्तान सुधरेगा।
ये मूषक दंत खूनी ले,
हमेशा ही यूं कुतरेगा।
हमें नुकसान देने की,
सदा तस्बीह* सुमरेगा।
ये सिक्का है बहुत खोटा,
खरा ना कभी उतरेगा।

*तस्बीह-माला

भारत कोई धर्मशाला नहीं

अशांति के लिए आने वालों से कठोरता से निपटेंगे : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सरकार की प्रवासन नीति को कठोरता और करुणा का मिश्रण करार देते हुए बृहस्पतिवार को लोकसभा में दो टूक कहा कि ''भारत कोई धर्मशाला नहीं है कि कोई भी जब चाहे यहां आकर रह जाए''। उन्होंने सदन में 'आप्रवास और विदेशियों विषयक विधेयक, 2025' पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि भारत में व्यापार, शिक्षा और शोध के लिए आने वालों का स्वागत होगा, लेकिन गलत उद्देश्य से और अशांति फैलाने के मंसूबे के साथ भारत में दाखिल होने वालों से कठोरता से निपटा जाएगा। शाह के जवाब के बाद सदन ने कुछ विपक्षी सांसदों के संशोधनों को खारिज करते हुए 'आप्रवास और विदेशियों विषयक विधेयक, 2025' को ध्वनिमत से मंजूरी दे दी। उन्होंने कहा, ''हमारे देश में कौन आता है और कितने समय के लिए आता है, देश की सुरक्षा के लिए हमें यह जानने का अधिकार है।''

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कई बार लोग सवाल उठाते हैं कि शरणार्थी संबंधी अंतरराष्ट्रीय संधि पर हस्ताक्षर क्यों नहीं किए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए कि पांच हजार साल से प्रवासियों के बारे में भारत का ट्रैक रिकॉर्ड बेदाग रहा है और किसी शरणार्थी नीति की हमें जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, ''भारत भू सांस्कृतिक देश है, भू राजनीतिक देश नहीं है...भारत का शरणार्थियों के प्रति एक इतिहास रहा है। पारसी भारत में आए। इजराइल से यहूदी भागे तो भारत में आ रहे हैं।''

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार में छह पड़ोसी देशों के प्रताड़ित लोगों को भारत ने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के माध्यम से शरण दी है। उन्होंने कहा, ''घुसपैठ करने वालों को रोकेंगे, नागरिकता उन्हें ही मिलेगी जिन्होंने पड़ोसी देशों में विभाजन की विभीषीका झेली है और अत्याचारों का सामना किया है।'' उन्होंने कहा कि जो कानून तोड़ेंगे उन पर सरकार की कड़ी नजर होगी। शाह ने कहा कि जहां भारत प्रवासियों का स्वागत करता है, वहीं भारत से गए प्रवासियों ने दुनिया भर में भारत की समृद्ध विरासत को पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि विश्व छोटा हो रहा है और पूरी दुनिया के अर्थतंत्र की सूची में भारत एक 'ब्राइट स्पॉट' बनकर उभरा है, एक विनिर्माण केंद्र बनकर उभरा है और ऐसे में देश में आने वाले लोगों की संख्या बढ़ेगी।

तृणमूल कांग्रेस ही घुसपैठ कराती है : शाह

लोकसभा ने आपदा प्रबंधन विधेयक से जुड़े संशोधनों को मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा ने राष्ट्रीय और राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों के कुशल कामकाज के लिए लाए गए 'आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक, 2024' में राज्यसभा द्वारा किए गए संशोधनों को बृहस्पतिवार को अपनी सहमति दी। गृह मंत्री अमित शाह ने निचले सदन में राज्यसभा के संशोधनों के अनुमोदन वाला प्रस्ताव रखा जिसे लोकसभा ने ध्वनिमत से मंजूरी दी। इस विधेयक को कुछ संशोधनों के साथ बीते 25 मार्च को राज्यसभा में पारित किया गया था। लोकसभा ने पिछले दिसंबर में विधेयक को मंजूरी दी थी। सरकार ने इस बात पर भी जोर दिया है कि यह विधेयक राज्यों को सभी आपदाओं को बेहतर तरीके से संभालने में मदद करेगा।

आस्था भी अर्थव्यवस्था और आजीविका का आधार बन सकती है : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मिर्जापुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि आस्था भी अर्थव्यवस्था और आजीविका का आधार बन सकती है। प्रदेश में भाजपा सरकार के आठ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''आस्था भी अर्थव्यवस्था और आजीविका का आधार बन सकती है। महाकुंभ ने इसे सिद्ध किया है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि मां विंध्यवासिनी कॉरिडोर लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित करेगा जिससे न केवल आध्यात्मिक समृद्धि आएगी, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी लाभ होगा।

योगी ने कहा कि मेरठ को प्रयागराज से जोड़ने वाला गंगा एक्सप्रेसवे इस देश में सबसे बड़ा एक्सप्रेसवे बन जाएगा जिससे व्यापक संपर्क और आर्थिक वृद्धि सुगम होगी। उन्होंने कहा कि इसे पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए जल्द ही एक सर्वेक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''एक एक्सप्रेसवे इस अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। जितना मजबूत आधारभूत ढांचा होगा, बेहतर कनेक्टिविटी होगी उतना ही विकास की बेहतर संभावना होगी। इस तरह की ढांचागत परियोजनाएं इस राज्य की समृद्धि बढ़ाने में महत्वपूर्ण हैं।''

ग्रामीण क्षेत्रों के कल्याण विशेषकर जल संकट के मुद्दे की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा, ''पूर्व की सरकारों ने मिर्जापुर में आपको प्यासा और खेतों को सूखा छोड़ दिया। हर घर जल योजना के तहत मौजूदा सरकार हर घर में स्वच्छ पेयजल सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है। सरकार गर्मी के महीनों में जल संकट रोकने के लिए ठोस कदम उठा रही है।'' योगी ने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यम योजना के तहत युवा पांच लाख रुपए तक के ब्याज मुक्त ऋण के लिए पात्र हैं और समय पर ऋण की वापसी से उद्यमी भविष्य में अधिक ऋण पा सकेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मां विंध्यवासिनी धाम में पूजा अर्चना भी की।

हैदराबाद को हराकर लखनऊ ने आईपीएल में दर्ज की अपनी पहली जीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/एजेन्सी। शार्दुल ठाकुर (चार विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद निकोलस पूरन (70) और मिचेल मार्श (52) की अर्धशतकीय विस्फोटक पारियों की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के सातवें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को 23 गेंदे शेष रहते पांच विकेट से हराकर टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज की।

सनराइजर्स हैदरबााद के 190 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज एडन मारक्रम (एक) का विकेट गवां दिया। उन्हें मोहम्मद शमी ने आउट किया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आये निकोलस पूरन ने मिचेल मार्श के साथ ना केवल पारी को संभाला दोनों बल्लेबाजों ने तेजी के साथ विस्फोटक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए रन भी बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 116 रनों की साझेदारी हुई। यह आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से दूसरे विकेट के लिए दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है।

नौवें ओवर में पैट कमिंस ने निकोलस पूरन को पगबाधा आउट कर पवेलियन भेज दिया। निकोलस पूरन ने 26 गेंदों में छह चौके और छह छक्के लगाते हुए (70) रनों की विस्फोटक पारी खेली। 11वें ओवर में कमिंस ने मिचेल मार्श को भी अपना शिकार बना लिया।

मिचेल मार्श ने 31 गेंदों में सात चौके और दो छक्के लगाते हुए (52) रन बनाये।

प्रधानमंत्री मोदी ने यूनुस को लिखे पत्र में कहा

बांग्लादेश का स्वतंत्रता दिवस हमारे साझा इतिहास का प्रमाण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस और पड़ोसी देश के लोगों को उनके स्वतंत्रता दिवस पर बधाई देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह दिन ''हमारे साझा इतिहास और बलिदानों का प्रमाण है, जिसने हमारी द्विपक्षीय साझेदारी की नींव रखी है।''

बांग्लादेश अपना स्वतंत्रता दिवस 26 मार्च को मनाता है। 1971 में इसी दिन देश ने अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की थी जो इस तारीख से पहले तक पाकिस्तान का हिस्सा था।

यूनुस और बांग्लादेश के लोगों को शुभकामनाएं देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने एक पत्र में कहा, ''बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम की भावना हमारे संबंधों के लिए एक मार्गदर्शक प्रकाश बनी हुई है। हमारे संबंध कई क्षेत्रों में देखे जा सकते हैं और हमारे लोगों को लाभ पहुंचा रहे हैं।''

यूनुस ने भी 'एक्स' पर प्रधानमंत्री मोदी का संदेश साझा किया।

मोदी ने कहा कि भारत शांति, स्थिरता और समृद्धि की साझा आकांक्षाओं से प्रेरित होकर तथा एक-दूसरे के हितों तथा चिंताओं के प्रति पारस्परिक संवेदनशीलता के आधार पर बांग्लादेश के साथ अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यूनुस को लिखा, ''कृपया मेरे उच्चतम विचार के आश्वासन को स्वीकार करें।''

सीए फाइनल परीक्षा अब साल में तीन बार

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) ने सीए फाइनल साल में तीन बार आयोजित करने की गुरुवार को घोषणा की ताकि छात्रों को अधिक अवसर मिल सके। संस्थान ने यहां यह घोषणा करते हुए कहा कि विश्व स्तर पर सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ तालमेल बिठाने और छात्रों को अधिक अवसर प्रदान करने के लिए, संस्थान की 26वीं परिषद ने सीए फाइनल परीक्षा साल में तीन बार आयोजित करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। यह परीक्षा साल में दो बार आयोजित की जाती थी। पिछले साल संस्थान ने इंटरमीडिएट और फाउंडेशन कोर्स की परीक्षाएं साल में तीन बार आयोजित करने का निर्णय लिया था और अब फाइनल परीक्षाएं भी इसी तरह होंगी। अब, तीनों स्तरों- सीए फाइनल, इंटरमीडिएट और फाउंडेशन में हर साल समान संख्या में प्रयास होंगे, जिससे छात्रों को परीक्षा में बैठने के अधिक अवसर मिलेंगे। ये परीक्षाएं जनवरी, मई और सितंबर के महीने में आयोजित की जाएंगी। इसके अतिरिक्त, सूचना प्रणाली लेखा परीक्षा में पोस्ट क्वालिफिकेशन कोर्स में भी बदलाव किया जाएगा। इससे पहले जून और दिसंबर में साल में दो बार आयोजित होने वाले इस कोर्स के लिए मूल्यांकन परीक्षा अब साल में तीन बार - फरवरी, जून और अक्टूबर में आयोजित की जाएगी, जिससे सदस्यों के लिए पहुँच और सुविधा और भी बढ़ जाएगी। परिषद के आज के इस निर्णय पर संस्थान के अध्यक्ष, सीए चरणजोत सिंह नंदा ने कहा, इन युगांतरकारी निर्णयों से छात्रों और सदस्यों दोनों को ही काफी लाभ होगा, जिससे उन्हें सफलता के लिए बेहतर अवसर मिलेंगे।

'अच्छे दिन' आ गए : सीतारमण

नई दिल्ली/एजेन्सी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को राज्यसभा में 'अच्छे दिन' आने की घोषणा करते हुए कहा कि मोदी सरकार 'मन समर्पित, तन समर्पित और देश के लिए जीवन समर्पित' की सरकार है।

वित्त मंत्री ने सदन में विनियोग (संख्यांक तीन) विधेयक 2025 और वित्त विधेयक 2025 पर लगभग चार घंटे तक चली का चर्चा का उत्तर देते हुए कहा कि मोदी सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं जनधन, पीएम आवास योजना , स्वच्छ भारत, जल जीवन मिशन, उज्ज्वला, पीएम मुद्रा योजना, जन औषधि का व्यापक असर हुआ है और जनता के जीवन पर इसका प्रभाव दिखायी दे रहा है। उन्होंने कहा , अच्छे दिन आ गये हैं और ये ही अच्छे दिन हैं। बाद में राज्यसभा ने ये दोनों विधेयकों को ध्वनिमत से लोकसभा को लौटा दिया।

उन्होंने कहा कि आयकर की श्रेणी में बदलाव से दो करोड़ करदाता कर दायरे से बाहर हो जाएंगे। ये सभी मध्यम वर्ग और निम्न उच्च वर्ग से संबंधित हैं। करदाताओं के अनुपालना में कमी की गयी है। टीडीएस प्रक्रिया में भी बदलाव होगा। इससे लोगों को लाभ होगा और बाजार में मांग बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि यह केंद्रीय बजट सरकार की विकास की अवधारणा को प्रकट करता है। संग्रहित किये कर का उपयोग जनहित और देशहित में होता है।

वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ने कारोबारी शुल्क में बदलाव किया है जिससे अनुकूलता आयेगी।

चेन्नई के पास खाली माल डिब्बे पटरी से उतरे, कोई हताहत नहीं : दक्षिण रेलवे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। दक्षिण रेलवे ने बताया कि बृहस्पतिवार को एनएमजी रेक के तीन खाली माल डिब्बे पटरी से उतर गए। हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

दक्षिण रेलवे ने कहा, आज, शाम छह बजकर 52 मिनट पर, एनएमजी (न्यू मॉडिफाइड गुड्स) रेक के तीन खाली माल डिब्बे (8वां, 9वां और 10वां डिब्बा) तांबरम यार्ड में स्थानांतरित किए जाने के दौरान पटरी से उतर गए। इसमें कोई हताहत नहीं हुआ।''

एनएमजी रेक का इस्तेमाल गाड़ियों के परिवहन के लिए किया जाता है। रेलवे अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया।

अमेरिका ने काबुल में दूतावास को फिर से खोलने पर चर्चा की : मुजाहिद

काबुल/एजेन्सी। अफगानिस्तान ने कहा है कि राजधानी काबुल में अमेरिकी दूतावास को फिर से खोलने और वाशिंगटन में अफगान दूतावास का नियंत्रण सौंपने सहित कई मुद्दों पर यहां अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ चर्चा की गयी। अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने अल अरबिया टीवी चैनल को दिये साक्षात्कार में कहा, अमेरिका में अफगान दूतावास को सौंपने के लिए बातचीत जारी है। हम यह भी चाहते हैं कि अमेरिकी दूतावास अपनी गतिविधियों को फिर से शुरू करे। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल अफगानिस्तान से लौट गया है। हम प्रतीक्षा करेंगे कि अमेरिका क्या कदम उठाता है। उन्होंने कहा कि अंतरिम सरकार ने अमेरिका के साथ युद्ध समाप्त कर दिया है और वह उसके साथ सकारात्मक संबंध स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। अगस्त 2021 में अंतरिम सरकार के सत्ता में आने के बाद पिछले सप्ताह पहली बार अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने अफगानिस्तान का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने सरकार के कार्यवाहक विदेश मंत्री मावलवी आमिर खान मुत्ताकी के साथ द्विपक्षीय संबंधों और कैदियों की अदला-बदली पर चर्चा की।

पुतिन ने मोदी का भारत आने का आमंत्रण स्वीकार किया, तैयारी जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

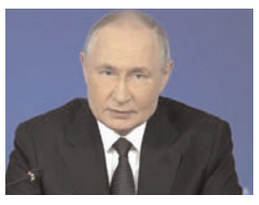

रूस अब चीन, भारत, ईरान, उत्तर कोरिया जैसे देशों और स्वतंत्र देशों के राष्ट्रमंडल (सीआईएस) के साथ सक्रिय रूप से संबंधों का विस्तार कर रहा है।

मॉस्को/भाषा। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने बृहस्पतिवार को बताया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत का दौरा करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आमंत्रण को स्वीकार कर लिया है और इसके लिए तैयारियां की जा रही हैं।

रूसी अंतरराष्ट्रीय मामलों की परिषद (आरआईएसी) द्वारा ''रूस और भारत: एक नए द्विपक्षीय एजेंडे की ओर'' विषय पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए लावरोव ने कहा, ''पुतिन के भारत दौरे के लिए फिलहाल तैयारियां की जा रही हैं।''

रूसी विदेश मंत्री ने सरकारी समाचार एजेंसी 'टीएएसएस' के हवाले से कहा, ''राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत सरकार के प्रमुख के दिल्ली दौरे के आमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। रूसी राष्ट्राध्यक्ष की भारतीय गणराज्य की यात्रा की फिलहाल तैयारी की जा रही है।''

लावरोव ने कहा कि पिछले साल फिर से चुने जाने के बाद प्रधानमंत्री मोदी की सबसे पहली विदेश यात्रा रूस की थी। उन्होंने कहा, ''अब हमारी बारी है।'' हालांकि, यात्रा की तारीखों का अभी खुलासा नहीं किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जुलाई 2024 में रूस की यात्रा की थी, जो लगभग पांच वर्षों में उनकी पहली रूस यात्रा थी। इससे पहले, उन्होंने 2019 में एक आर्थिक सम्मेलन में भाग लेने के लिए सुदूर पूर्वी शहर व्लादिवोस्तोक का दौरा किया था।

पिछली यात्रा के दौरान मोदी ने पुतिन को भारत आने का आमंत्रण दिया था। लावरोव ने 24 मार्च को कहा कि रूस, भारत के साथ 'विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी' विकसित कर रहा है।

लावरोव ने एक कार्यक्रम में कहा कि रूस अब चीन, भारत, ईरान, उत्तर कोरिया जैसे देशों और स्वतंत्र देशों के राष्ट्रमंडल (सीआईएस) के साथ सक्रिय रूप से संबंधों का विस्तार कर रहा है।

भारत में परमाणु ऊर्जा की स्थापित क्षमता 2029-30 तक बढ़कर 13 गीगावॉट हो जाएगी : जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बृहस्पतिवार को बताया कि देश में परमाणु ऊर्जा की स्थापित क्षमता 2029-30 तक मौजूदा 8.18 गीगावॉट से बढ़कर 13 गीगावॉट हो जाएगी और 2032 तक सभी स्वीकृत परियोजनाओं के पूरा होने के बाद यह बढ़कर 22.5 गीगावॉट हो जाएगी।

प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान सदन में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, ''इस बजट में एक परमाणु मिशन की घोषणा की गई है... मुझे यकीन है कि आने वाले समय में इतिहास में दर्ज होगा कि यह स्वतंत्र भारत के इतिहास में सबसे पथ प्रदर्शक निर्णयों में से एक रहा है। और अगर किसी को एक वाक्य में परिभाषित करने के लिए कहा जाए तो यह निर्णय होमी भाभा के सपने की सच्ची पुष्टि है।'' परमाणु क्षेत्र में निजी कंपनियों की भागीदारी के बारे में सिंह ने कहा कि परमाणु मिशन का एक महत्वपूर्ण घटक यह है कि भारत बड़े पैमाने पर छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों के निर्माण में सार्वजनिक-निजी भागीदारी करेगा, जो विशेष रूप से भारत जैसे देश के लिए प्रासंगिक हैं। सिंह के अनुसार, परमाणु क्षेत्र में निजी भागीदारी की

अनुमति से परमाणु क्षमता में तेजी से वृद्धि होने की उम्मीद है, जिसके लिए परमाणु में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी और साझेदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए विधायी परिवर्तन किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि परमाणु ऊर्जा से राष्ट्रीय ग्रिड को बेस-लोड बिजली आपूर्ति से परे कई अंतिम उपयोगों को पूरा करने की उम्मीद है, जैसे कैप्टिव पावर और उद्योग को प्रक्रिया गर्मी, बिजली और/या ताजा पानी (समुद्री जल परमाणु विलवणीकरण के माध्यम से) अलग-अलग ग्रिडों में, और कठिन क्षेत्रों के लिए स्वच्छ हाइड्रोजन।

सिंह ने कहा कि 2030 के बाद देश के लिए दो राष्ट्रीय लक्ष्य हैं- '2047 तक ऊर्जा स्वतंत्रता' और '2070 तक शुद्ध शून्य'। भविष्य के लिए इष्टतम ऊर्जा मिश्रण को उपभोक्ता को न्यूनतम लागत पर राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा के लिए गुणवत्ता और विश्वसनीय बिजली सुनिश्चित करने के लिए सभी उपलब्ध ऊर्जा स्रोतों का लाभ उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा के पूरक स्रोत के रूप में परमाणु के कई फायदे हैं, जो ग्रिड स्थिरता, संतुलन और ऊर्जा भंडारण प्रणाली की आवश्यकता को कम करने में मदद करता है। ऊर्जा सुरक्षा और स्थिरता प्राप्त करने के लिए परमाणु ऊर्जा को एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में मान्यता देते हुए, सरकार ने विकसित भारत के लिए परमाणु ऊर्जा मिशन शुरू किया है। मंत्री ने बताया कि केंद्रीय बजट 2025-26 का एक प्रमुख आकर्षण परमाणु ऊर्जा मिशन की शुरुआत है, जो छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) के अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) पर केंद्रित है। सरकार ने इस पहल के लिए 20,000 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं।

भारत 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता लक्ष्य हासिल करने के रास्ते पर : प्रल्हाद जोशी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को इस क्षेत्र में 32 लाख करोड़ रुपए की निवेश प्रतिबद्धताएं प्राप्त हुई हैं, जिस पर चीजें सकारात्मक रूप से आगे बढ़ रही हैं।

समाचार चैनल 'टाइम्स नाउ' शिखर सम्मेलन-2025 में एक सत्र को संबोधित करते हुए जोशी ने कहा कि लगभग 169 गीगावाट (एक गीगावाट बराबर 1,000 मेगावाट) क्षमता की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए बोलियां आमंत्रित की गई हैं। 103 गीगावाट सौर और लगभग 50 गीगावाट पवन ऊर्जा क्षमता सहित हरित ऊर्जा क्षमता 223 गीगावाट को पार कर गयी है। उन्होंने यह भी कहा कि जहां तक अपतटीय पवन परियोजनाओं का सवाल है, सरकार परियोजनाओं को व्यावहारिक बनाने के लिए वित्तपोषण योजना लायी है। जोशी ने कहा, ''हम पूरी तरह से सही रास्ते पर हैं... मुझे पूरा विश्वास है कि हम 2030 तक 500 गीगावाट हासिल कर लेंगे और हम पूरी दुनिया में नवीकरणीय ऊर्जा के तीसरे सबसे बड़े उत्पादक होंगे।'' मंत्री के अनुसार, घरेलू नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 32 लाख करोड़ रुपए की निवेश प्रतिबद्धताएं जतायी गयी हैं और इस दिशा में चीजें सकारात्मक रूप से आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा, हमें 32 लाख करोड़ रुपए के निवेश की प्रतिबद्धता मिली है।

छत्तीसगढ़ में 'मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन' योजना शुरु

पहली विशेष ट्रेन में 780 श्रद्धालु सवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बृहस्पतिवार को 'मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन' योजना की शुरुआत की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री साय ने बृहस्पतिवार को रायपुर रेलवे स्टेशन से पहली विशेष तीर्थ यात्रा ट्रेन को तिरुपति, मदुरै और रामेश्वरम के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने बताया कि इस पहली तीर्थ यात्रा ट्रेन में रायपुर और बलौदाबाजार-भाटापारा जिलों के 780 बुजुर्ग श्रद्धालु सवार हैं।

मुख्यमंत्री साय ने तीर्थयात्रा पर जा रहे बुजुर्गों से बातचीत के दौरान कहा कि ''आप सभी के चेहरे पर जो खुशी है, वही मेरा संतोष है।'' उन्होंने कहा कि ''रामेश्वरम में आप लोग पवित्र रामसेतु देख सकेंगे, ज्योतिर्लिंग का दर्शन कर सकेंगे। आप लोग मदुरै तीर्थ का भी दर्शन करेंगे जहां मीनाक्षी मंदिर है। तिरुपति में बालाजी का दर्शन करेंगे। दक्षिण भारत के तीर्थ स्थलों को देखने का यह सुंदर अवसर है।'' साय ने कहा, ''राज्य में मुख्यमंत्री रामलला (अयोध्या दर्शन) योजना के अंतर्गत अब तक 22 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या में श्री रामलला के दर्शन कर चुके हैं।'' उन्होंने कहा कि प्रयागराज में 144 वर्षों उपरांत महाकुंभ का आयोजन हुआ और छत्तीसगढ़ के तीर्थयात्रियों ने भी बड़ी संख्या में इसमें हिस्सा लिया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि तीर्थयात्रियों की सेवा एवं उनकी सुविधा का ध्यान रखने के लिए प्रयागराज मेला क्षेत्र में छत्तीसगढ़ पवैलियन तैयार किया गया था; जहां लगभग साढ़े चार एकड़ में तीर्थयात्रियों के रुकने की व्यवस्था थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब श्रद्धालुओं की यात्रा मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत निरन्तर होती रहेगी। उन्होंने कहा, ''इस योजना के लिए हमने 15 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। इस योजना में उज्जैन, पुरी, द्वारिका, वैष्णो देवी, मथुरा, वृंदावन जैसे अनेक तीर्थ स्थलों को जोड़ा गया है, जिनकी निःशुल्क यात्रा कराई जाएगी। योजना में विधवा और परित्यक्त महिलाओं को भी शामिल किया गया है, जिससे उन्हें भी

रास में विपक्ष ने लगाया विभिन्न मदों में बजट कटौती का आरोप

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में बृहस्पतिवार को विपक्ष ने सरकार पर विभिन्न मदों में बजट कटौती करने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि देश में बेरोजगारी बढ़ रही है और महंगाई ने आम आदमी का जीना दूभर कर दिया है, वहीं सत्ता पक्ष ने दावा किया कि सरकार की नीतियों के केंद्र में ''विकसित भारत'' है।

उच्च सदन में विनियोग विधेयक (संख्यांक 3) विधेयक 2025 और वित्त विधेयक पर चर्चा में भाग लेते हुए भाजपा की धर्मशिला गुप्ता ने कहा कि बजट 2025-26 के माध्यम से कई योजनाबद्ध कार्यक्रमों को पेश किया गया है। उन्होंने कहा कि बजट में मध्यम वर्ग का ध्यान रखा गया है और आयकर की सीमा बढ़ाई गई है। ''यह एक दूरदर्शी आर्थिक नीति है जिसका उद्देश्य मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति को बढ़ाना है। मध्यम वर्ग बचत कर खरीद कर सकेगा जिससे बाजार में मांग बढ़ेगी और यह मांग उत्पादकों को उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगी।'' उन्होंने कहा कि देश की जीडीपी में 30 फीसदी का योगदान देने वाला विनिर्माण क्षेत्र इस बढ़ती मांग से आगे बढ़ेगा और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। ''नतीजा फिर से अच्छी जीडीपी के रूप में सामने आएगा। साथ ही छोटे और मध्यम उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा।''

हुर्रियत के दो और समूहों ने अलगाववाद त्यागा, मोदी के नये भारत में विश्वास जताया: अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि हुर्रियत कांफ्रेंस के दो और घटकों ने अलगाववाद त्याग दिया है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बनाये जा रहे 'नये भारत' में अपना विश्वास जताया है। अलगाववादी समूह हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के दो घटकों- जम्मू कश्मीर पीपुल्स मूवमेंट (जेकेपीएम) और जम्मू कश्मीर डेमोक्रेटिक पॉलिटिकल मूवमेंट (जेकेडीपीएम)- ने मंगलवार को अलगाववाद त्यागने की घोषणा की थी।

शाह ने कहा कि मोदी सरकार के शासन में अलगाववाद अंतिम सांस ले रहा है और एकता की जीत पूरे कश्मीर में गूंज रही है। शाह ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''कश्मीर घाटी से एक और बड़ी खुशखबरी। हुर्रियत से जुड़े दो और समूहों, जम्मू कश्मीर तहरीकी इस्तेकलाल और जम्मू कश्मीर तहरीक-ए-इस्तिकामत ने अलगाववाद त्याग दिया है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा बनाये जा रहे नये भारत में अपना विश्वास जताया है।'' जम्मू कश्मीर तहरीकी इस्तेकलाल के अध्यक्ष गुलाम नबी सोफी ने एक बयान में कहा कि वह और उनका संगठन 'ऑल पार्टीज हुर्रियत कॉन्फ्रेंस' या इसके जैसी विचारधारा वाले किसी भी अन्य समूह से खुद को अलग करते हैं। सोफी ने कहा, ''हमने तमाम मुश्किलों के बावजूद अपना संघर्ष जारी रखा, लेकिन न तो 'ऑल पार्टीज हुर्रियत कॉन्फ्रेंस' (एपीएचसी) (जी) और न ही एपीएचसी (एम) आम जनता की उम्मीदों को पूरा कर पाए। वे लोगों की आकांक्षाओं और भावनाओं का प्रतिनिधित्व करने में हर कदम पर विफल रहे। मैंने बहुत पहले ही अलगाववादी विचारधारा से अपने संबंध तोड़ लिए हैं और आज मैं आधिकारिक तौर पर इसकी निंदा करता हूं।'' सोफी ने यह भी कहा कि वह भारत के सच्चे और प्रतिबद्ध नागरिक हैं और भारतीय संविधान में विश्वास रखते हैं।

समुद्री केबल प्रणाली 2अफ्रीका पर्ल्स को भारत लेकर आई एयरटेल

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल समुद्री केबल प्रणाली 2अफ्रीका पर्ल्स भारतीय तट पर लेकर आई है। यह देश के संचार नेटवर्क को अफ्रीका, यूरोप और पश्चिम एशिया से जोड़ेगा। एयरटेल ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2अफ्रीका पर्ल्स केबल प्रणाली भारत में 100 टीबीपीएस (टेराबिट्स प्रति सेकंड) से अधिक अंतरराष्ट्रीय क्षमता लाएगी।

एयरटेल के निदेशक (कारोबार) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शरत सिन्हा ने बयान में कहा, ''हम 2अफ्रीका पर्ल्स केबल को भारत में लाने को लेकर रोमांचित हैं। यह हमारे नेटवर्क की मजबूती को बढ़ाएगा। हम अपने वैश्विक नेटवर्क में आक्रामक रूप से विविधता ला रहे हैं और हाल ही में चेन्नई और मुंबई में एसईए-वी-एमई-6 केबल उतारा है।''

उन्होंने कहा, ''हम अपने ग्राहकों को भरोसेमंद और बेहतर गुणवत्ता वाला नेटवर्क देने के उद्देश्य से वैश्विक केबल प्रणाली और भविष्य को ध्यान में रखकर अपने नेटवर्क में निवेश करना जारी रखेंगे।'' सबमरीन केबल एक प्रमुख बुनियादी ढांचा है जो ब्रॉडबैंड सेवाओं के लिए देशों को एक दूसरे से जोड़ता है। दुनिया भर में लगभग 650 सबमरीन केबल प्रणाली हैं, जिनमें से 570 के चालू होने का अनुमान है।

कोडकारा धनशोधन मामले में भाजपा नेतृत्व को बचा रही है ईडी : कांग्रेस सांसद के. सुरेश

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सांसद कोडिकुनिल सुरेश ने बृहस्पतिवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर केरल में कोडकारा धनशोधन मामले की ''ठीक से जांच न करने'' और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं को बचाने का आरोप लगाया। लोकसभा में शून्यकाल के दौरान इस विषय को उठाते हुए सुरेश ने कहा कि कोडकारा मामला 3.5 करोड़ रुपए का काला धन घोटाला है जो सीधे तौर पर भाजपा की ''चुनावी मशीनरी'' से जुड़ा हुआ है। उन्होंने दावा किया कि केरल पुलिस ने पिछले विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व से केरल में बेहिसाब नकदी लाने वाले एक संगठित हवाला नेटवर्क का भी खुलासा किया था, लेकिन ईडी ने चुनिंदा तरीके से जांच की और इस वित्तीय अपराध को पूरी तरह उजागर नहीं किया। सुरेश ने कहा, ''ईडी ने राजनीतिक संबंधों और बड़ी साजिश को नजरअंदाज करते हुए मामले को मामूली काले धन के लेनदेन तक सीमित कर दिया है।''

जीएसटी व्यवस्था में सुधार किए जाने की राज्यसभा में उठी मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में बृहस्पतिवार को विपक्ष के कुछ सदस्यों ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को लेकर सरकार पर निशाना साधा और मौजूदा व्यवस्था में सुधार किए जाने की मांग की ताकि व्यापारियों को परेशानियों से बचाया जा सके।

कांग्रेस सदस्य राजीव शुक्ला ने कहा कि राजस्व बढ़ाने का लक्ष्य होता है और इसकी पूर्ति को सफलता माना जाता है लेकिन सरकार को यह देखना चाहिए कि यह राशि कैसे एकत्र की गयी। उसे व्यापारियों और दुकानदारों का दर्द भी देखना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि जीएसटी अधिकारी धमकी देकर और परेशान कर दुकानदारों एवं व्यापारियों से अनाप--शनाप राशि लेते हैं। उद्य सदन में वित्त विधेयक पर चर्चा में भाग लेते हुए शुक्ला ने कहा कि जीएसटी परिषद की बैठक होती रहती है लेकिन दुकानदारों के दुखदर्द पर विचार करने के लिए भी एक बार बैठक बुलायी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जीएसटी से होने वाली परेशानी के कारण कई बार कारोबारी या तो व्यापार नहीं बढ़ा पाते या अपना कारोबार बंद कर देते हैं। उन्होंने कहा कि यह वर्ग रोजगार देता है और भारत 142 करोड़ लोगों का देश बन गया है। उन्होंने कहा कि अगर लोगों को रोजगार नहीं मिला तो अपराध में भारी वृद्धि होगी।

कांग्रेस सदस्य ने कहा कि कई उद्योगपति देश से बाहर चले गए और वहीं कारोबार करने लगे। उन्होंने कहा कि ऐसे उद्योगपति यहां हजारों लोगों को रोजगार देते थे और अब वे बाहर रोजगार दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का ऐसे उद्योगपतियों को बुलाने का प्रयास करना चाहिए और उन्हें व्यापार के लिए अनुकूल माहौल देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति पर औसतन 15,000 रुपए जीएसटी बैठता है। उन्होंने चाणक्य के सिद्धांत का जिक्र करते हुए कहा कि कराधान ऐसा होना चाहिए जैसे फूल से शहद निकाला जाता है। शुक्ला ने स्वास्थ्य क्षेत्र में अधिक आवंटन किए जाने, न्यायपालिका में सुधार किए जाने की जरूरत पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में सर्वेक्षण कराया जाना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि पता करना चाहिए कि समाज का कौन तबका खुश है?

जियो प्लेटफॉर्म्स को प्रौद्योगिकी, नवोन्मेष में योगदान के लिए बौद्धिक संपदा पुरस्कार

नई दिल्ली/भाषा। रिलायंस इंडस्ट्रीज की अनुषंगी कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स लि. (जेपीएल) को प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष में उल्लेखनीय योगदान के लिए दो प्रतिष्ठित बौद्धिक संपदा पुरस्कार मिले हैं।

जियो प्लेटफॉर्म्स ने बयान में कहा कि भारत सरकार ने जियो प्लेटफॉर्म्स को राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा पुरस्कार दिये जबकि वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी ऑर्गेनाइजेशन ने भी कंपनी को सम्मानित किया है। प्रौद्योगिकी कंपनी को ये पुरस्कार यहां आयोजित एक समारोह में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने दिये। बयान के अनुसार, ये प्रतिष्ठित पुरस्कार न केवल जियो प्लेटफॉर्म्स की बौद्धिक संपदा के क्षेत्र में उपलब्धियों को दर्शाते हैं बल्कि दूरसंचार क्षेत्र में देश के आत्मनिर्भर दृष्टिकोण में इसके महत्वपूर्ण योगदान को भी बताते हैं। वैश्विक स्तर पर कंपनी ने तीन साल में चार हजार से अधिक पेटेंट के लिए आवेदन किए हैं। इनमें से अधिकतर पेटेंट दूरसंचार, डिजिटल प्रौद्योगिकियों और कृत्रिम मेधा के क्षेत्रों में दाखिल किए गए हैं। जियो प्लेटफॉर्म्स ने कहा, ''कंपनी की बौद्धिक संपदा रणनीति केंद्र सरकार के 'विकसित भारत' के लक्ष्य के साथ जुड़ी हुई है।

खरगे ने डीसीसी अध्यक्षों की बैठक में एकजुटता और विचारधारा का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्यों में चुनाव जीतने के लिए दीर्घकालिक रणनीति के साथ एकजुट होकर काम करने के वास्ते पार्टी की जिला इकाई प्रमुखों का बृहस्पतिवार को आह्वान किया और कहा कि संगठन की विचारधारा मजबूत है, लेकिन इसे सत्ता के बिना देश में लागू नहीं किया जा सकता है।

खरगे ने जिला कांग्रेस कमेटियों (डीसीसी) के अध्यक्षों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में 'इंडिया' गठबंधन की पार्टियों ने भाजपा और उसके सहयोगियों के खिलाफ एकजुट होकर लड़ाई लड़ी, जिससे भाजपा को 240 सीट तक सीमित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस को 20-30 सीट और मिलतीं तो एक वैकल्पिक सरकार बन जाती।

डीसीसी अध्यक्षों की बैठक तीन दिनों में अलग-अलग चरण में हो रही है। आज की बैठक में 13 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों के डीसीसी प्रमुख शामिल हुए।

खरगे ने यहां कांग्रेस मुख्यालय 'इंदिरा भवन' में डीसीसी प्रमुखों से कहा, ''हमारे 'संविधान बचाओ' अभियान ने संविधान को बदलने की भाजपा-आरएसएस की गुप्त मंशा को उजागर कर दिया है। आज, भाजपा के पास बहुमत नहीं है और वह दो घटक दलों पर निर्भर है। एक प्रधानमंत्री ने अहंकारपूर्वक दावा किया था कि वह 400 सीट जीतेंगे, लेकिन उन्हें हमारे द्वारा एक बड़ा झटका दिया गया।''

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''कांग्रेस पार्टी ने लगभग 100 सीट हासिल कीं। अगर हमने अधिक मेहनत की होती, तो हम 20-30 सीट और हासिल कर सकते थे। इतनी सीट हासिल करने से देश में वैकल्पिक सरकार बन सकती थी। अगर हमने यह कर लिया होता, तो हम अपने स्वतंत्र संस्थानों, लोकतंत्र और संविधान पर व्यवस्थित हमले को रोक सकते थे।'' उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस के खिलाफ कांग्रेस की लड़ाई संसद के अंदर और बाहर दोनों जगह जारी है।

अदाणी की 10 कंपनियों के शेयर चढ़े, अदाणी एनर्जी में नौ प्रतिशत का उछाल

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी समूह की 10 कंपनियों के शेयरों में बृहस्पतिवार को तेजी आई। इनमें अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर करीब नौ प्रतिशत चढ़ गया।

शेयर बाजार में सकारात्मक रुख के बीच बीएसई पर अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर 8.84 प्रतिशत, अदाणी ग्रीन एनर्जी 5.25 प्रतिशत, अदाणी पावर 4.39 प्रतिशत, अदाणी टोटल गैस 2.32 प्रतिशत, अंबुजा सीमेंट्स 2.13 प्रतिशत, अदाणी एंटरप्राइजेज 2.05 प्रतिशत, अदाणी विल्मर 1.85 प्रतिशत, सांघी इंडस्ट्रीज 1.66 प्रतिशत, एसीसी 1.44 प्रतिशत और अदाणी पोर्ट्स 1.38 प्रतिशत के लाभ में रहे।

एनडीटीवी के शेयर में 0.39 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। समूह की सभी कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्यांकन 12.61 लाख करोड़ रुपए रहा।

भारतीय जनता पार्टी स्पष्ट करे कि वह मुसलमानों को जहर देना चाहती है या भोजन : उद्धव ठाकरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वह मुसलमानों को जहर देना चाहती है या भोजन।

राज्य विधानसभा के बजट सत्र के समाप्त होने के एक दिन बाद ठाकरे ने संवाददाताओं से बातचीत में मुस्लिम परिवारों के लिए 'सौगात-ए-मोदी' कार्यक्रम को लेकर भाजपा की आलोचना करते हुए यह बात कही। साथ ही ठाकरे ने कहा कि भाजपा ने कई वर्षों तक इस्लाम के खिलाफ जहर फैलाया और अब वह चाहती है कि मुस्लिम समुदाय उसके पक्ष में वोट करे। ठाकरे ने कहा, ''क्या उनका 'सौगात-ए-सत्ता' बिहार चुनाव तक सीमित रहेगा या यह हमेशा जारी रहेगा? भाजपा को यह भी घोषित करना चाहिए कि उसने हिंदुत्व छोड़ दिया है।'' ठाकरे ने कहा कि वह भाजपा के हिंदुत्व समर्थकों द्वारा मुस्लिम घरों में जाकर सौगात-ए-मोदी किट बांटने की तस्वीरें देखना चाहेंगे। भाजपा के पूर्व सहयोगी ठाकरे ने कहा, ''जब शिवसेना को मुस्लिम मतदाताओं का भारी समर्थन मिला तो यह कहते हुए शोर मचाया गया कि मैंने हिंदुत्व छोड़ दिया है। उन्होंने

'सत्ता जिहाद' जैसे शब्द भी गढ़े। लेकिन अब उन्हीं लोगों ने अपना रुख बदल दिया है।'' सांप्रदायिक मुद्दों पर भाजपा के रुख की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा, मुसलमानों को पुलिस कार्रवाई का सामना करना पड़ता है, उनके घर जला दिए जाते हैं और हिंदुओं का इस्तेमाल केवल मुसलमानों के खिलाफ दंगे भड़काने के लिए किया जाता है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने ''गद्दार'' का अपमान करने के लिए कॉमेडियन कुणाल कामरा को तलब किया लेकिन छत्रपति शिवाजी महाराज का ''अपमान'' करने के मामले में अभिनेता राहुल सोलापूरकर के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। ठाकरे ने पत्रकारों से कहा, जब 'गद्दार' (एकनाथ शिंदे का स्पष्ट संदर्भ) के खिलाफ टिप्पणी की गई तो जिस स्टूडियो में कार्यक्रम रिकॉर्ड किया गया था उस पर हमला किया गया और कामरा को दो समन भेजे गए (शिंदे को कथित रूप से बदनाम करने के लिए), लेकिन क्या राहुल सोलापूरकर को एक भी समन जारी किया गया है, जिन्होंने कथित रूप से शिवाजी महाराज का अपमान किया था? उन्होंने कहा, आपको कामरा के खिलाफ कार्रवाई करने का क्या अधिकार है? आप किसकी छवि बचाने की कोशिश कर रहे हैं? ठाकरे ने कहा, ''आप एक गद्दार का अपमान करने के लिए कुणाल कामरा को दो बार तलब करते हैं, लेकिन राहुल सोलापूरकर को एक बार भी नहीं बुलाते।'' कामरा को मुंबई पुलिस ने तलब किया है।

शिवसेना (उबाठा) ने अकसर शिंदे के लिए ''गद्दार'' शब्द का इस्तेमाल किया है जिन्होंने उद्धव ठाकरे के खिलाफ बगावत कर 2022 में पार्टी को विभाजित कर दिया था।

भारत में इंटर्नशिप के अवसर तीन साल में दोगुना हुए : रिपोर्ट

मुंबई/भाषा। देश में इंटर्नशिप के अवसर पिछले तीन साल में दोगुना हो गए हैं, क्योंकि संगठन युवा पेशेवरों को उद्योग के लिए तैयार कौशल से लैस करने की कोशिश कर रहे हैं। एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। वैश्विक नौकरी साइट इनडीड की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इंटर्नशिप अब सभी के ध्यान का केन्द्र बन गया है क्योंकि कंपनियां युवा प्रतिभाओं को वास्तविक दुनिया के कौशल से लैस करने के लिए कमर कस रही हैं।

इनडीड के आंकड़ों के अनुसार, भारत में पिछले तीन वर्षों (फरवरी, 2022 से फरवरी, 2025 तक) में इंटर्नशिप के लिए सूचना (पोस्टिंग) में 103 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो इस बात को रेखांकित करता है कि कैसे उद्योग अकादमिक और उद्योग की अपेक्षाओं के बीच की खाई को पाटने के लिए इंटर्नशिप को दोगुना कर रहे हैं।

इनडीड की रिपोर्ट फरवरी, 2022 से फरवरी, 2025 तक के अपने मंच पर आंकड़ों के विश्लेषण पर आधारित है। इसमें आगे बताया गया कि जैसे-जैसे उद्योग विकसित हो रहे हैं - विशेष रूप से एआई, डेटा एनालिटिक्स और डिजिटल बदलाव, कंपनियां न केवल व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए इंटर्नशिप का उपयोग कर रही हैं, बल्कि शुरुआत में ही शीर्ष प्रतिभाओं को खोजने और तैयार करने के लिए भी इसका उपयोग कर रही हैं।

नवरात्रि घट स्थापना मुहूर्त

चैत्र नवरात्रि महापर्व का शुभारंभ 30 मार्च रविवार को रेवती नक्षत्र और एंद्र योग में होगा। कलश स्थापना और ध्वजारोहण के साथ हिंदू नववर्ष उत्सव की शुरुआत होगी। इस वर्ष तृतीया तिथि का क्षय होने से नवरात्रि 8 दिन की होगी। घट स्थापना व पूजा का शुभ मुहूर्त समय प्रातः 7.49 बजे से 9.21 बजे तक चंचल वेला, दिन में 9.21 बजे से 12.24 बजे तक लाभ-अमृत वेला व 11.59 बजे से 12.48 बजे तक अभिजीत मुहूर्त रहेगा।

जगदीश आचार्य, मोबाइल : 9448417398

कर्नाटक में एक अप्रैल से दूध चार रुपये प्रति लीटर महंगा होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में एक अप्रैल से दूध की कीमतें चार रुपये प्रति लीटर बढ़ जाएंगी। राज्य के सहकारी मंत्री के एन राजन्ना ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा की। मंत्री ने कहा कि दूध संघों और किसानों के दबाव के कारण कीमतों में वृद्धि की गई है।

राजन्ना ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, कीमतें बढ़ाने का फैसला दूध महासंघ ने लिया है। वे प्रति लीटर पांच रुपये की बढ़ोतरी की मांग कर रहे थे, सरकार ने इस पर सहमति जताई और एक अप्रैल से चार रुपये की वृद्धि का फैसला किया। बढ़ाए गए पूरे चार रुपये किसानों को मिलने चाहिए...। दूध की कीमत में बढ़ोतरी बस और मेट्रो किराये के साथ-साथ बिजली दरों में वृद्धि के मद्देनजर की गई है। इससे पहले कर्नाटक दुग्ध महासंघ (केएमएफ) के अध्यक्ष भीमा नाइक ने भी दूध की कीमतों में वृद्धि का संकेत दिया था।

केएमएफ अपने डेरी उत्पादों का विपणन नंदिनी' ब्रांड के तहत करता है। केएमएफ ने पिछले साल भी दूध के दाम में दो रुपये प्रति पैकेट की बढ़ोतरी की थी और प्रति पैकेट मात्रा में 50 मिलीलीटर की वृद्धि की थी। केएमएफ का कहना है कि वर्ष 2024 में मूल्य वृद्धि कोई बढ़ोतरी नहीं थी, क्योंकि आपूर्ति की जाने वाली दूध की मात्रा में भी वृद्धि हुई थी। मौजूदा समय में 1,050 मिलीलीटर के नियमित नंदिनी टोंड दूध (नीला पैकेट) की कीमत 44 रुपये है।

सरकार ने तीसरी बार बढ़ाए दूध के दाम

- अगस्त 2023 में 3 रुपए की वृद्धि
- जून 2024 में 2 रुपए की वृद्धि
- मार्च 2025 में 4 रुपए की वृद्धि

20 महीनों में कुल - 9 रुपए की वृद्धि

सुधा मूर्ति ने किया निजी और वित्त पोषित स्कूलों में शिक्षकों के वेतन के लिए नीतियां बनाने का अनुरोध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु। राज्यसभा में बृहस्पतिवार को मनोनीत सदस्य सुधा मूर्ति ने निजी स्कूलों और वित्त पोषित स्कूलों में शिक्षकों के कम वेतन का मुद्दा उठाते हुए सरकार से इस संबंध में नीतियां बनाने तथा इन संस्थानों के प्रबंधन की निगरानी के लिए एक व्यवस्था बनाने का अनुरोध किया। उच्च सदन में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए सुधा मूर्ति ने कहा कि सरकारी स्कूलों में शिक्षकों का वेतन भले ही कम हो, लेकिन उनके लिए पेंशन आदि की सुविधा तो रहती है लेकिन निजी स्कूलों और वित्त पोषित स्कूलों में शिक्षकों को न तो अच्छा वेतन मिलता है और न ही उन्हें पेंशन एवं सेवानिवृत्ति के बाद के और कोई लाभ मिल पाते हैं। उन्होंने कहा कि इन शिक्षकों का काम अधिक होता है और कई काम तो शिक्षण से परे होते हैं। उन्होंने कहा कि महिला शिक्षकों को मातृत्व अवकाश भी नहीं मिलता।

सुधा मूर्ति ने कहा कि अगर शिक्षकों का यह हाल होगा तो वह बच्चों को बेहतर शिक्षा कैसे देंगे। उन्होंने सरकार से अनुरोध किया कि ऐसी नीतियां बनाई जाएं ताकि निजी स्कूलों और वित्त पोषित स्कूलों में शिक्षकों को बेहतर वेतन मिल सके। साथ ही उन्होंने इन संस्थानों के प्रबंधन की निगरानी के लिए एक व्यवस्था बनाने का अनुरोध भी किया।

जल्द ही हरियाणा में बिकेगा 'नंदिनी' का दूध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। उत्तर भारत में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के उद्देश्य से कर्नाटक सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ (केएमएफ) ने जल्द ही हरियाणा में 'नंदिनी' गाय का दूध बाजार में उतारने की घोषणा की है। केएमएफ की पहले से ही उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान में उपस्थिति है और हाल ही में इसने दिल्ली में प्रवेश किया है।

केएमएफ के उत्तर भारत प्रमुख, अमित सिंह ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा, ''नंदिनी दूध जल्द ही हरियाणा में भी उपलब्ध होगा।''

उन्होंने कहा कि संघ ने उत्तर भारत में नंदिनी दूध उत्पादों के वितरण नेटवर्क को मजबूत करने के लिए उत्तर भारत के वितरकों के साथ बैठक की। बैठक में केएमएफ के प्रबंध निदेशक पी आर मंजेश और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

पहले चरण में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के इलाकों में नंदिनी गाय का दूध और अन्य डेयरी उत्पाद उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए 'हर घर नंदिनी अभियान' शुरू किया गया है।

नंदिनी गाय का दूध उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के सासनी संयंत्र में पैक किया जाता है, जिसकी प्रसंस्करण क्षमता 1.50 लाख लीटर प्रतिदिन है, और हरियाणा सहकारी संघ के रोहतक संयंत्र में भी पैक किया जाता है, जिसकी प्रसंस्करण क्षमता एक लाख लीटर प्रतिदिन है।

सोना तस्करी मामला : कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव की जमानत याचिका खारिज, न्यायिक जांच के आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु की एक सत्र अदालत ने सोना तस्करी मामले में कन्नड़ अभिनेत्री हर्षवर्धिनी रान्या उर्फ रान्या राव की जमानत याचिका बृहस्पतिवार को खारिज कर दी। अभियोजन पक्ष के अनुसार रान्या ने सोने की खरीद के लिए हवाला के चैनल का इस्तेमाल करने की बात स्वीकार की है। जवाब में, प्राधिकारियों ने न्यायिक जांच शुरू करने के लिए नोटिस जारी किया है और उनका मानना है कि इससे आगे और अधिक वित्तीय अनियमितताएं उजागर होंगी। इस मामले में अभिनेत्री के सहयोगी तरुण राज भी शामिल हैं, जिन्हें दूसरा आरोपी बनाया गया है।

अधिकारियों का दावा है कि रान्या ने तस्करी का सोना साहिल जैन नाम के व्यापारी को सौंपा है, जिसे बुधवार को राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने गिरफ्तार कर लिया। इस तरह इस मामले में गिरफ्तार लोगों की कुल संख्या तीन हो गई है।

सुनवाई के दौरान राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) की अधिवक्ता मधु राव ने खुलासा किया कि रान्या और राज ने दुबई की लगभग 26 यात्राएं एक साथ कीं, जिसमें अक्सर वे सुबह रवाना होते और उसी शाम वापस लौट आते।

अपनी गिरफ्तारी से पहले अभिनेत्री ने कथित तौर पर राज की यात्रा के लिए विमान का टिकट बुक किया जिसने बाद में दुबई में उसे सोना सौंप दिया।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रैंक के अधिकारी के. रामचंद्र राव की सौतेली बेटी रान्या के पास से केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तीन मार्च को दुबई से लौटते समय 12.56 करोड़ रुपये मूल्य का सोना जब्त किया गया था। इसके बाद उनके आवास पर तलाशी ली गई, जहां अधिकारियों ने 2.06 करोड़ रुपये के सोने के आभूषण और 2.67 करोड़ रुपये की भारतीय मुद्रा बरामद की। इसके बाद डीजीपी रैंक के अधिकारी को कर्नाटक सरकार ने अनिवार्य अवकाश पर भेज दिया और सोने की तस्करी मामले के संबंध में उनसे पूछताछ की। इस मामले के संबंध में रामचंद्र राव से भी पूछताछ की गई है।

बाद में, डीजीपी रैंक के अधिकारी को कर्नाटक सरकार ने 15 मार्च को तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक अनिवार्य अवकाश पर भेज दिया।

यतनाल को पार्टी से निष्कासित करना भाजपा का अंदरूनी मामला : प्रियांक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खड़गे ने गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए भाजपा विधायक यतनाल के पार्टी से निष्कासित करने समेत कई सवालों के जवाब दिए।

बेंगलूरु में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता प्रियांक खरगे ने भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल के पार्टी से निकाले जाने के सवाल पर कहा कि यह भाजपा का अंदरूनी मामला है। यतनाल जो कह रहे हैं, वह यह है कि वे भ्रष्टाचार और वंशवाद की राजनीति के खिलाफ बोल रहे थे, और उन्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ रही है।

कर्नाटक के मंत्री केएन राजन्ना का कहना है कि उन्हें हनीट्रैप मामले में फंसाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने शिकायत दर्ज कराई है। इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच होनी चाहिए और उन्हें न्याय मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय नेता, राज्य भाजपा नेता और फिर कांग्रेस नेता भी हनी ट्रैप में फंस गए हैं। उन्होंने बहुत स्पष्ट रूप से कहा है कि केंद्रीय नेताओं सहित 48 नेता इसमें शामिल हैं।

मुख्यमंत्री योगी के बयान कि हिंदी से नफरत मत करो पर प्रियांक खरगे ने कहा कि मुझे कन्नड़, अंग्रेजी, तमिल और तेलुगु आती है, और मैं सीएम योगी से हिंदी में भी बात कर सकता हूं। यूपी और एमपी से लोग कर्नाटक आते हैं और यहां अपनी जिंदगी चलाने की कोशिश करते हैं। हम उनका स्वागत करते हैं। आप उन्हें वहां पर्याप्त संसाधन नहीं दे पाते, इसलिए वे यहां आते हैं। अब आप खुद से पूछें कि आपको कितनी भाषाएं आती हैं। हम यह नहीं कह रहे कि हम हिंदी के खिलाफ हैं, लेकिन आप दूसरी भाषाओं के खिलाफ क्यों हैं?

कर्नाटक में आरक्षण पर उन्होंने कहा कि आंतरिक आरक्षण के बारे में सुप्रीम कोर्ट का रुख बहुत स्पष्ट है। यह राज्य का विषय है और जो भी आरक्षण दिया जाता है, वह अनुभवजन्य आंकड़ों के आधार पर दिया जाना चाहिए और न्यायालय के अनुसार यह जनगणना के आधार पर किया जाता है। यदि सिफारिश सर्वेक्षण करने या जनगणना में जोड़ने की है तो हम यह सुनिश्चित करेंगे और प्रक्रिया सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी।

कर्नाटक में भाजपा को कमजोर करने वाले निहित स्वार्थी तत्व बेखौफ, सुधार चाहने वाले निलंबित : यतनाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से निलंबित बागी विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि कर्नाटक में पार्टी को कमजोर करने के लिए समायोजन की राजनीति में लिप्त निहित स्वार्थी लोग खुलेआम घूम रहे हैं, जबकि जो लोग एक परिवार केंद्रित राजनीति को समाप्त करने के लिए इसमें सुधार करना चाहते थे, उन्हें निलंबित कर दिया गया है या नोटिस थमा दिया गया है। पाटिल कहा कि वह हमेशा 'राष्ट्र पहले, पार्टी बाद में, स्वयं अंतिम' के सिद्धांत पर काम करते रहेंगे। भाजपा ने बुधवार को बागी विधायक और पूर्व केंद्रीय मंत्री यतनाल को पार्टी अनुशासन का बार-बार उल्लंघन करने के कारण छह साल के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया था। भाजपा में पिछले कुछ समय से गुटबाजी सार्वजनिक रूप से सामने आ रही थी, जिसमें बीजापुर शहर के विधायक यतनाल के नेतृत्व में एक वर्ग पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र को पद से हटाने की मांग कर रहा था।

यतनाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, वे स्वार्थी तत्व जो कर्नाटक में पार्टी को कमजोर करने वाली राजनीति में लिप्त रहे और भाजपा के अभेद्य गढ़ जैसे कलबुर्गी, कोप्पल, रायचूर, बेल्लारी, चिकोडी निर्वाचन क्षेत्रों में पार्टी की हार का कारण बने, वे बिना किसी अनुशासनात्मक कार्रवाई के छोड़ दिए गए, जबकि जो लोग एक व्यक्ति की श्रेष्ठता और परिवार-केंद्रित राजनीति को समाप्त करके पार्टी में सुधार करना चाहते थे, उन्हें निलंबित कर दिया गया या नोटिस जारी किया गया। पार्टी के खिलाफ खुलेआम बगावत और कांग्रेस पार्टी का समर्थन करने वाले दो विधायकों को या तो नजरअंदाज कर दिया गया है या पार्टी कार्यकर्ताओं के दबाव के बाद उन्हें नोटिस भेजा गया है।

यतनाल ने कहा, आलाकमान को उत्तरी कर्नाटक क्षेत्र में पार्टी की हार के बारे में कोई जानकारी नहीं है, जहां भाजपा का बहुत मजबूत मतदाता आधार है, विशेष रूप से पंचमसाली लिंगायत समुदाय में। इसके अलावा पार्टी ने समायोजन की राजनीति को भी नजरअंदाज कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप शिगगांव उपचुनाव में भाजपा की हार हुई, जो पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई का गढ़ था।

रिपोर्ट

गुरुवार को बेंगलूरु में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को आंतरिक आरक्षण रिपोर्ट पेश करते हुए न्यायमूर्ति नागमोहन दास।

बेंगलूरु के पास तीन नए निजी हवाई अड्डों की योजना

अंतिम मुहर लगाएगा एएआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने बेंगलूरु के आस पास तीन नए निजी हवाई अड्डों के विकास की योजना पर काम शुरू कर दिया है। ये हवाई अड्डे कनकपुरा रोड पर और नेलमंगला-कुनिगल रोड पर बनाए जाने की चर्चा है। यह जानकारी राज्य मंत्री एमबी पाटिल ने दी। उन्होंने बताया कि भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानि एएआई) 17 मार्च से इन प्रस्तावित साइटों का दौरा शुरू कर चुका है। इसके बाद ही यह तय होगा कि ये परियोजनाएं आगे बढ़ेंगी या नहीं। मंत्री पाटिल ने कहा, ''हम एएआई को सभी जरूरी जानकारी देने के लिए तैयार हैं। इस बारे में पहले भी बैठक हो चुकी है और कल भी एक चर्चा हुई थी। हम पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये हवाई अड्डे ग्रीनफील्ड परियोजनाएं होंगी, यानी इन्हें नए सिरे से बनाया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार जमीन उपलब्ध कराएगी, जबकि विकास का जिम्मा निजी कंपनियों, जैसे अंबानी और बजाज समूह के पास होगा। यह परियोजना सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर आधारित होगी। हालांकि, इन हवाई अड्डों का भविष्य एएआई के निरीक्षण और वित्तीय व्यवहार्यता अध्ययन पर निर्भर करेगा। पाटिल ने कहा, हम उनकी ओर से जवाब नहीं दे सकते। वे साइटों का निरीक्षण करेंगे और बताएंगे कि ये उपयुक्त हैं या नहीं। इसके बाद हमें व्यवहार्यता का अध्ययन करना होगा कि क्या ये परियोजनाएं आर्थिक रूप से टिकाऊ होंगी। उन्होंने कहा कि सरकार सिर्फ जमीन दे रही है, लेकिन निर्माण और संचालन की जिम्मेदारी निजी डेवलपर्स की होगी। इस चर्चा में भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल का जिक्र भी आया, जिन्होंने इस तरह की परियोजनाओं पर सवाल उठाए थे। पाटिल ने कहा, यतनाल हमारी पार्टी से नहीं हैं। वे भाजपा के विधायक थे, जिन्हें पार्टी ने निष्कासित कर दिया है। इस बारे में भाजपा नेता विजयेंद्र से पूछना चाहिए, मुझसे नहीं। उन्होंने यह भी साफ किया कि सरकार का ध्यान सिर्फ परियोजना को आगे बढ़ाने पर है, न कि राजनीतिक विवादों पर।

इन हवाई अड्डों के बनने से बेंगलूरु और आसपास के इलाकों में हवाई संपर्क बढ़ने की उम्मीद है। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि इनकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या ये वित्तीय रूप से लाभकारी साबित होंगे। एएआई की रिपोर्ट और अध्ययन के बाद ही यह तय होगा कि तीनों साइटों में से कौन सी मंजूरी पाती है।

कुल 97 भारतीय मछुआरे श्रीलंका की हिरासत में हैं : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को बताया कि वर्तमान में कुल 97 भारतीय मछुआरे श्रीलंका की हिरासत में हैं, जिनमें से 83 सजा काट रहे हैं, तीन के खिलाफ अदालती कार्यवाही जारी है और 11 को गिरफ्तार कर रखा गया है। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए, जयशंकर ने कहा कि भारत इस मुद्दे पर मानवीय दृष्टिकोण अपनाने के लिए श्रीलंका के साथ बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा कि यहां तक कि केंद्र सरकार की ओर से मछली पकड़ने वाली नौकाओं पर ट्रांसपोंडर स्थापित करने सहित दीर्घकालिक तरीके ढूंढे जा रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ऐसी स्थिति फिर से न हो। जयशंकर ने कहा कि 1974 और 1976 में जो फैसले लिए गए थे, वे आज देश के सामने मौजूद हालात का मूल कारण हैं।

उन्होंने कहा, अभी स्थिति यह है कि कल तक श्रीलंका की हिरासत में 86 भारतीय मछुआरे थे। आज एक और नौका को पकड़ा गया है और उसके बाद 11 और मछुआरों को पकड़ा गया है। इनमें से 97 लोग हिरासत में हैं। 83 सजा काट रहे हैं, तीन मुकदमे की प्रतीक्षा कर रहे हैं और 11 को आज गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि जो लोग आज सजा काट रहे हैं, उनमें से कई नौका के मालिक हैं और कुछ ऐसे भी हैं जो बार-बार यह 'अपराध' करते हैं। जयशंकर ने कहा कि इस मुद्दे से निपटने में यही चुनौती रही है। उन्होंने कहा, एक तरह से हमारी सरकार को विरासत में यह समस्या मिली है।

मंत्री ने कहा कि यह समस्या 1974 में शुरू हुई थी जब तत्कालीन केंद्र सरकार ने राज्य सरकार के साथ विचार-विमर्श कर अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा का रेखांकन किया था। फिर 1976 में, पत्रों का आदान-प्रदान हुआ जहां मछली पकड़ने के अधिकार क्षेत्र को चित्रित किया गया था। उन्होंने कहा, इसलिए 1974 और 1976 में जो फैसले लिए गए थे, वे आज उस स्थिति का मूल कारण हैं, जिसका हम सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम श्रीलंका सरकार से बातचीत करने का प्रयास कर रहे हैं ताकि वह इसे मानवीय मुद्दा मानकर कदम उठाए।

'असफलता से मत डरो, सफलता की ओर बढ़ो'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने गुरुवार को आयोजित कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय (केएसओयू) के 20वें दीक्षांत समारोह में छात्रों से चुनौतियों को स्वीकार करने और सफलता के लिए प्रयास करने का आग्रह किया। स्नातकों को अपने सपनों को कभी न छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संघर्ष और असफलताएं उपलब्धि की ओर ले जाने वाली सीढ़ियां हैं। अल्बर्ट आइंस्टीन के शब्दों का हवाला देते हुए राज्यपाल ने कहा, असफलता सफलता की सीढ़ी है। उन्होंने विद्यार्थियों को याद दिलाया कि जीत और असफलताएं जीवन का हिस्सा हैं तथा उनसे प्रत्येक चुनौती को विकास के अवसर के रूप में देखने का आग्रह किया।

समाज को आकार देने में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, गहलोत ने कहा, शिक्षित युवा राष्ट्रीय प्रगति को आगे बढ़ाते हैं, चाहे वह विज्ञान, प्रौद्योगिकी, व्यवसाय, कला या सामाजिक सेवा के क्षेत्र में हो। आज के डिजिटल युग में, जहाँ आई, डेटा विज्ञान और उन्नत प्रौद्योगिकियाँ दुनिया को फिर से परिभाषित कर रही हैं, नवाचार और अनुकूलनशीलता सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने निरंतर सीखने, रचनात्मकता और नेतृत्व विकास की आवश्यकता पर बल दिया। राज्यपाल ने दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता के लिए केएसओयू की सराहना की, जिसने असंख्य विद्यार्थियों को अपनी व्यक्तिगत और व्यावसायिक आकांक्षाओं को प्राप्त करने में सशक्त बनाया है।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने उनसे अपने शिक्षकों और माता-पिता का सम्मान करने का आग्रह किया तथा उनकी सफलता में उनकी अमूल्य भूमिका को स्वीकार किया। उन्होंने कहा, शिक्षक आपका मार्गदर्शन करते हैं और आपको प्रेरित करते हैं, जबकि माता-पिता और परिवार हर संघर्ष में आपके साथ खड़े रहते हैं। उनका समर्थन आपकी उपलब्धियों की नींव है। स्वतंत्रता के बाद भारत की उल्लेखनीय प्रगति पर बोलते हुए, गहलोत ने विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में देश की स्थिति पर प्रकाश डाला।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना की शुरू

चेन्नई/नई दिल्ली। बैंक ऑफ बड़ौदा ने मेधावी छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी (पीएम-विद्यालक्ष्मी) योजना शुरू करने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए वित्तीय सहायता चाहने वाले छात्रों के लिए केंद्र सरकार की एक पहल है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वित्तीय बाधाएं भारत के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्राप्त करने से वंचित न करें। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ने बयान में कहा, आवेदक पीएम-विद्यालक्ष्मी मंच के माध्यम से बैंक ऑफ बड़ौदा से पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना के तहत शिक्षा ऋण के लिए डिजिटल रूप से आवेदन कर सकते हैं।

देश भर के विद्यार्थियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए बैंक के पास 8,300 से अधिक शाखाओं के अलावा 12 समर्पित शिक्षा ऋण स्वीकृति प्रकोष्ठ (ईएलएससी) और 119 खुदरा परिसंपत्ति प्रसंस्करण प्रकोष्ठ (आरएपीसी) हैं। इस मौके पर बैंक ऑफ बड़ौदा के कार्यकारी निदेशक संजय मुदलियार ने कहा कि पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना एक अग्रणी पहल है जिसका उद्देश्य योग्य विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है और यह सुनिश्चित करना है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सभी को सुलभ हो।

उपमुख्यमंत्री बैरवा को जान से मारने की धमकी, पुलिस ने जेल से तीन लोगों को हिरासत में लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा को जान से मारने की धमकी देने के मामले में स्थानीय पुलिस ने बृहस्पतिवार को यहां की केंद्रीय जेल से तीन लोगों को हिरासत में लिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि जिस मोबाइल फोन से पुलिस नियंत्रण कक्ष को फोन कर यह धमकी दी गई थी उसकी लोकेशन का पता लगाकर जयपुर सेंट्रल जेल में आरोपियों से बरामद कर लिया गया है। राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उत्कल रंजन साहू ने कहा कि निचले स्तर पर 'सिस्टम' में कमी के कारण मोबाइल और सिम जेलों में पहुंच जाते हैं। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा, राज्य की जेलों में हाईटेक जैमर सिस्टम लगाए जाएंगे, ताकि अगर कोई जेल में मोबाइल और सिम भेजेगा भी तो कॉल नहीं हो पाएंगी।

साहू ने कहा कि समय-समय पर जेलों में मोबाइल फोन से धमकियां दी जा रही हैं और बातचीत की जा रही है। उन्होंने कहा कि जेलों में मोबाइल और सिम कार्ड नहीं पहुंचने चाहिए, लेकिन निचले स्तर पर सिस्टम में कमी के कारण जेलों में मोबाइल और सिम पहुंचने की घटनाएं सामने आ रही हैं। जयपुर के पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने बताया कि कल शाम पुलिस कंट्रोल रूम में एक कॉल आई थी, जिसमें कॉल करने वाले ने उपमुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी दी थी। जोसेफ के अनुसार, फोन की 'लोकेशन' जब पता की गई, तो यह केंद्रीय जेल की निकली और इस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम को जेल भेजा गया।

उन्होंने बताया कि देर रात तक जेल की तलाशी ली गई, साथ ही आज सुबह भी तलाशी ली गयी। उन्होंन बताया कि आज तीन युवकों को हिरासत में लिया गया है, जिनके पास से मोबाइल बरामद किया गया है।

जोसेफ के अनुसार, यह वही मोबाइल फोन है जिससे धमकी दी गई थी। उल्लेखनीय है कि महीना भर पहले दौसा की श्यालवास केंद्रीय जेल में बंद एक कैदी ने पुलिस नियंत्रण कक्ष को फोन कर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जान से मारने की धमकी दी थी। इस मामले में जेलर को हटाते हुए दो जेलकर्मियों को निलंबित किया गया था।

प्रकृति से विशेष प्रतिभा और ऊर्जा प्राप्त हैं विशेष योग्यजन बच्चे : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी की मौजूदगी में गुरुवार को यहां राजस्थान दिवस के अवसर पर पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित हो रहे सप्ताहभर के कार्यक्रमों की श्रृंखला में जंतर मंतर पर विशेषयोग्य जन बच्चों के लिए देखो अपना शहर जागरूकता यात्रा का आयोजन किया गया। दीया कुमारी ने इस अवसर पर विशेष योग्यजन बच्चों से स्नेहपूर्वक बातचीत की। उनके इस आत्मीय संवाद से ये बच्चे उत्साहित और प्रसन्न नजर आये। इस मौके उपमुख्यमंत्री ने कहा कि विशेष योग्यजन बच्चों को प्रकृति की ओर से विशेष प्रतिभा और ऊर्जा प्राप्त है। उन्होंने कहा कि यह बच्चे कई मायनो में सामान्य बच्चों से भी अधिक योग्य हैं। इनकी योग्यता, प्रतिभा और ऊर्जा का सदुपयोग राष्ट्र और प्रदेश के विकास के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान को अग्रणी प्रदेश बनाने में राज्य सरकार ऐसे विशेष योग्यजन बच्चों की प्रतिभा का सदुपयोग करने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। सरकार उन्हें प्रेरित और प्रोत्साहित करने के लिए संकल्पित है। उन्होंने विशेषयोग्य जन बच्चों को उपहार दिए जबकि बच्चों ने पुष्प देकर उनका स्वागत किया। उपमुख्यमंत्री ने विशेष योग्यजन बच्चों को सिटी पैलेस और अल्बर्ट हॉल सहित आमेर भ्रमण कराने के भी अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान जंतर मंतर पर आये विदेशी पर्यटकों ने उपमुख्यमंत्री के साथ फोटो खिंचवाए। उपमुख्यमंत्री ने विदेशी पर्यटकों को राजस्थान के गावों का भ्रमण करने के लिए भी प्रोत्साहित किया वहीं उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए बाड़मेर यात्रा में उत्तरलाई के गांव में की गई अपनी यात्रा को अवस्मरणीय बताया। उन्होंने कहा सीमावर्ती क्षेत्र की महिलाएं अपने गांव में मजबूती के साथ दैनिक जीवन के सारे काम करती हैं। मैंने उन महिलाओं के साथ समय बिताया उनके दैनिक जीवन के काम जैसे चक्की से पीसना और अन्य काम भी उनके साथ किये। आज महिलाएं सशक्त हो रही हैं। उन्होंने कहा कि बाड़मेर में आयोजित महिला सम्मलेन बहुत सफल रहा। इस सम्मलेन में 20 हजार महिलाओं के स्थान पर 30 हजार महिलाएं ने सहभागिता की। सरकार महिला सशक्तिकरण के नित नए नवाचार कर रही है। जिससे महिलाओं और बालिकाओं के विकास के नये अवसर मिल रहें हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण की कई योजनाएं संचालित हो रही है।

रियाद से आए यात्री से 70 लाख रुपये का सोना बरामद

जयपुर। जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बृहस्पतिवार को रियाद से आए एक यात्री से तस्करी कर लाया गया 70 लाख रुपये मूल्य का सोना बरामद किया गया। अधिकारियों ने बताया कि यात्री ने यह सोना अपने गुप्तांग में छुपा रखा था। आरोपी यात्री से पूछताछ के आधार पर उसके साथ मौजूद एक अन्य व्यक्ति अजय फगेड़िया को भी गिरफ्तार किया गया, जिसे इस तस्करी का 'मास्टरमाइंड' माना जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी यात्री सऊदी अरब के रियाद से आए विमान से हवाई अड्डे पर उतरा था। अधिकारियों के अनुसार, जैसे ही विमान यहां उतरा एजेंसी के अधिकारियों ने गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी यात्री की तलाश शुरू कर दी। अधिकारियों ने बताया, आरोपी यात्री को संदेह के आधार पर कस्टम जांच के लिए रोका गया, लेकिन उसके पास कुछ नहीं मिला। हालांकि, जांच के दौरान आरोपी के हावभाव से जांच दल का संदेह गहरा गया। आरोपी यात्री को अलग ले जाकर उसकी जांच की गई और पूछताछ की गई, लेकिन कुछ नहीं मिला।

अधिकारी ने बताया कि संदेह के आधार पर एजेंसी ने अदालत से तत्काल अनुमति लेकर यात्री का एक्स-रे कराया, जिसमें उसके गुप्तांग में छिपाया गया सोना दिखाई दिया। उन्होंने बताया कि आरोपी ने सोना तस्करी के मास्टरमाइंड अजय फगेड़िया के बारे में भी जानकारी दी, जो उसके साथ रियाद से आया था। इसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

भजनलाल ने 150 नए पुलिस वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को राजस्थान दिवस कार्यक्रम श्रृंखला के तहत यहां आयोजित कार्यक्रम 'सुरक्षा एवं सुगमता का संकल्प समारोह' से 150 नए पुलिस वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। शर्मा ने जवाहर सर्किल पर आयोजित इस कार्यक्रम में इन वाहनों को रवाना किया। इस अवसर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दिशा में निरंतर काम कर रही है।

इसके लिए पुलिस बल को तमाम आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में पुलिस बल में शामिल हुए इन नए वाहनों से राज्य में आमजन के लिए सुरक्षा तंत्र को मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने पुलिसकर्मियों से मिलकर उनका हौसला अफजाई किया। उन्होंने प्रत्येक पुलिसकर्मी से व्यक्तिशः मुलाकात कर कुशलक्षेम पूछी। इस दौरान शर्मा ने पुलिस बेण्ड सहित सभी पुलिस बल के साथ सामूहिक फोटो भी खिंचवाई। पुलिस कार्मिकों का मुख्यमंत्री द्वारा हौसला अफजाई करने पर मनोबल बढ़ा तथा वे बेहद उत्साहित नजर आए।

इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक यू आर साहू, अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार, महानिदेशक साइबर क्राइम हेमंत प्रियदर्शी, महानिदेशक इन्टेलिजेंस संजय अग्रवाल, महानिदेशक टी.एन.टी. अनिल पालीवाल सहित पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं पुलिस कार्मिक मौजूद थे।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा संचालित गिव अप अभियान की अवधि बढ़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार निरन्तर वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। माननीय मुख्यमंत्री जी के स्पष्ट निर्देश हैं कि अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़कर लाभान्वित किया जाए ताकि वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें । गोदारा ने कहा कि विभाग द्वारा गत वर्ष गिव अप अभियान शुरू करने का उदेश्य राजस्थान के वंचित वर्गों को उनका हक दिलाना है। अभियान के माध्यम से खाद्य सुरक्षा प्राप्त सक्षम/अपात्र लोगों को खाद्य सुरक्षा सूची से अपना नाम हटाने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। गोदारा ने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के तहत खाद्य सुरक्षा सूची में आने वाले सक्षम/अपात्र लाभार्थियों से स्वेच्छा से अपना नाम हटाने हेतु दिनांक 31 मार्च, 2025 तक गिव अप अभियान चलाया जा रहा था। अभियान को मिल रही व्यापक सफलता एवं जनसहभागिता को देखते हुए एवं सभी वंचित पात्र लोगों को खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु इसकी अवधि दिनांक 30 अप्रैल, 2025 तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि जो अपात्र/सक्षम लोग एनएफएसए से किसी कारणवश अब तक अपना नाम हटवा नहीं पाए हैं, वे इस निर्णय का लाभ लेते हुए खाद्य सुरक्षा छोड़ें ताकि उनके स्थान पर पात्र व्यक्तियों को खाद्य सुरक्षा दी जा सके।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने कहा कि गत वर्ष 1 नवंबर को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा गिव अप अभियान प्रारंभ किया गया था। तब से आज दिनांक तक 15 लाख से अधिक व्यक्तियों द्वारा स्वेच्छा से अपना नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटवाया गया है। गोदारा ने कहा कि गिव अप अभियान को जनता का अपार सहयोग प्राप्त हो रहा है। लोग इस अभियान को वंचितों को उनका हक दिलाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देख रहे है। इस अभियान के तहत सक्षम/अपात्र लोग अपने नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटाने के लिए स्वतः आगे आ रहे हैं। जो सक्षम लोग खाद्य सुरक्षा सूची से स्वतः अपना नाम नहीं हटवा रहे हैं उनके विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि 26 जनवरी, 2025 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी के कर कमलों से खाद्य सुरक्षा पोर्टल को पुनः प्रारंभ किया गया था। तब से अब तक 15 लाख से अधिक लोगों के नाम पोर्टल पर जोड़े जा चुके है। उन्होंने कहा कि पोर्टल के पुन: प्रारंभ होने से लाखों वंचित लोगों को खाद्य सुरक्षा की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है।

जन-जन के कल्याण को समर्पित है डबल इंजन की सरकार : बैरवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में अंत्योदय के सपने को साकार करने की दिशा में राज्य सरकार प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। इसी सकल्प के साथ गुरुवार को प्रदेशभर में अंत्योदय कल्याण समारोह आयोजित हुए। राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन भरतपुर में हुआ जिसका सभी जिलों में सीधा प्रसारण हुआ। राजसमंद में आयोजित जिला स्तरीय अंत्योदय कल्याण समारोह में मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार ने पिछले डेढ़ वर्षों में हर क्षेत्र में सर्वांगीण विकास करने का प्रयास किया है। महिला, किसान, व्यापारी, शिक्षा, खेल, गरीब कल्याण सहित ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है, जहां राज्य में उल्लेखनीय प्रगति न हुई हो।

उन्होंने कहा कि धर्म और संस्कृति से जुड़ी हमारी परंपराओं को कायम रखने की दिशा में सरकार ने फैसला लिया है कि राज्य में अब चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को ही राजस्थान दिवस मनाया जाएगा। साथ ही राज्य में पहली बार राजस्थान दिवस के तहत सात दिवसीय भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं जिनमें हर दिन विभिन्न वर्गों के लाखों लोगों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। राजस्थान दिवस के तहत गत दो दिनों में महिला सम्मेलन और किसान सम्मेलनों का आयोजन हो चुका है।

उप मुख्यमंत्री डॉ बैरवा ने जिला प्रशासन के प्लास्टिक मुक्त राजसमंद अभियान के तहत आमजन में वितरण हेतु तैयार जूट के बैग लांच किया। उप मुख्यमंत्री ने सभी से प्लास्टिक को छोड़ कर पर्यावरण अनुकूल उपाय जैसे जूट और कपड़े के बैग अपनाने की अपील की। डॉ बैरवा ने दिव्यांग विद्यार्थियों को ट्राइसाइकिल वितरित की। उन्होंने श्रम विभाग की निर्माण श्रमिक एवं कौशल विकास योजना के तहत लाभार्थी पत्र प्रदान किए, दिव्यांग बच्चों को हियरिंग एड और अन्य उपकरण भी वितरित किए।

डॉ बैरवा ने कहा कि राज्य सरकार ने पं. दीनदयाल उपाध्याय गरीब मुक्त ग्राम योजना, दादू दयाल घुमन्तु सशक्तिकरण योजना के दिशा-निर्देश जारी किए हैं। गुरुवार को ही राज्यभर में हजारों निर्माण श्रमिकों को लाभ राशि सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित किए गए हैं। मुख्यमंत्री थार सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम तथा डाँग, मगरा, मेवात एवं बृज क्षेत्रीय योजना के तहत भी राशि का हस्तांतरण प्रदेशभर में इसी उद्देश्य से किया जा रहा है कि कोई भी वर्ग वंचित न रहे।

उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि राज्य सरकार ने राजसमंद जिले को वर्ष 202425 और 202526 की बजट घोषणाओं में हर क्षेत्र में सौगातें दी है। स्टोन मंडी , 3500 करोड़ रुपए की जाखम बांध परियोजना, 150 करोड़ रुपए लागत की खारी फीडर की प्रवाह क्षमता को बढ़ाने , अस्पतालों को क्रमोन्नत करने जैसे प्रत्येक बिन्दु पर सरकार ने जो भी घोषणाएं की हैं उन्हें त्वरित गति से क्रियान्वित किया जा रहा है।

आर के जिला चिकित्सालय में कार्डियोलॉजी यूनिट की स्थापना, कमला नेहरू अस्पताल को सेटेलाइट अस्पताल के रूप में क्रमोन्नत करने, नाथद्वारा को स्मार्ट सिटी बनाने, नाथद्वारा में सीवरेज और ड्रेनेज के कार्य, पिपलांत्री में ग्रामीण पर्यटन के विकास जैसे नए कार्यों से भी क्षेत्र में सर्वांगीण विकास की राह खुली है। उप मुख्यमंत्री डॉ बैरवा ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा महिला सशक्तिकरण की दिशा में प्रोजेक्ट सक्षम सखी, निर्धन एवं वंचित वर्गों के कल्याण के लिए प्रोजेक्ट श्रम सम्बल, पालनहार विशेष अभियान आदि नवाचार चलाकर विशेष रूप से अंत्योदय की दिशा में कार्य किया जा रहा है। जिले में विशेष स्वच्छता अभियान, माय ऑफीस क्लीन ऑफिस, माय स्कूल क्लीन स्कूल और माय हॉस्पिटल क्लीन हॉस्पिटल के साथ साथ प्लास्टिक मुक्त राजसमंद की दिशा में भी उल्लेखनीय कार्य हो रहा है। इस दौरान कुंभलगढ़ विधायक एवं पूर्व राज्य मंत्री सुरेन्द्र सिंह राठौड़, राजसमंद विधायक श्रीमती दीप्ति माहेश्वरी, जिला प्रमुख श्रीमती रतनी देवी जाट भीउपस्थित रहे।

मुलाकात

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गुरूवार को राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से राजभवन में मुलाकात की। देवनानी ने राज्यपाल बागड़े को 'युगंधरा अहिल्याबाई होल्कर' पुस्तक भेंट की। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने राज्यपाल से शिक्षा और विधायी के विभिन्न विषयों पर संवाद कर उनसे शिष्टाचार मुलाकात की।

पेपरलीक मामले में निलंबित अध्यापक राजेन्द्र कुमार यादव सेवा से बर्खास्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में पेपरलीक मामले में निलंबित तृतीय श्रेणी अध्यापक राजेंद्र कुमार यादव को राज्य सेवा से बर्खास्त कर दिया गया हैं। जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक जयपुर सुनिल कुमार सिंघल के बुधवार को इस संबंध में जारी आदेश के अनुसार राजेन्द्र कुमार यादव जयपुर में शहीद मेजर दिग्विजय सिंह सुमाल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खातीपुरा में तृतीय अध्यापक के पद पर कार्यरत था और एटीएस-एसओजी की रिपोर्ट के बाद राजेंद्र कुमार को गत वर्ष 20 फरवरी को कनिष्ठ अभियंता भर्ती परीक्षा-2020 के पेपर लीक करने में संलिप्त पाए जाने पर गिरफ्तार करने के बाद निलम्बित कर दिया गया था। वर्तमान में वह न्यायिक अभिरक्षा में हैं।

इस स्कूल के बाहर प्रतियोगी परीक्षाओं में पंकज चौधरी उर्फ यूनिक भांभू परीक्षार्थियों के मोबाइल रखने का काम करता था और राजेंद्र कुमार यूनिक भांभू एवं जगदीश विश्नोई के साथ संगठित गिरोह में शामिल होकर प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक करने में लग गया।

गिरोह के लोग राजेन्द्र कुमार के साथ मिलकर परीक्षा से पूर्व षड़यंत्रपूर्वक पेपर निकालकर विभिन्न परीक्षार्थियों को पढया गया जिसके परिणामस्वरुप कनिष्ठ अभियंता भर्ती परीक्षा 2020 को रद्द करना पड़ा।

महारानी महाविद्यालय में आयोजित हुआ अहिल्या बाई होल्कर त्रिशताब्दी वर्ष कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने गुरुवार को महारानी कॉलेज में मरूधर नारी सशक्तिकरण संगठन, और भारतीय शिक्षण मण्डल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी समारोह' में शिरकत की। दीया कुमारी ने लोक माता अहिल्या बाई होलकर को नमन करते हुए कहा कि इतिहास के पन्नों पर अहिल्याबाई होलकर जी का नाम स्वर्णाक्षरों में दर्ज है क्योंकि उन्होंने लोकहित, राष्ट्रहित व समाज हित के लिए अपना जीवन समर्पित किया। विद्वान, साहसी और प्रशासनिक कौशल की पहचान रानी अहिल्या बाई होलकर जी द्वारा नारी शक्ति, सशक्तिकरण व प्रशासनिक क्षेत्र में किये गये कार्य हमेशा प्रेरणादायी रहेंगे।

इतिहास के पन्नों पर रानी अहिल्याबाई का नाम हमेशा सम्मान से लिया जाता रहेगा। अपने शासन काल में उन्होनें राज्य हित, जनहित को सर्वोपरि माना, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया, उन्हें आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिलवाया, उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया, समाज में फैली कुरूतियों को समाप्त किया। धर्म के प्रति जागरूकता लाते हुए धार्मिक व तीर्थ स्थलों को विकसित करवाया, उनके द्वारा किये गये सार्वजनिक हित के कार्य हमेशा समाज का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

उन्होंने कहा कि भारतीय स्त्री शक्ति की शाखा मरूधर नारी सशक्तिकरण संगठन जो कि सनातन संस्कृति, राष्ट्रहित में महिलाओं के उत्थान हेतु सक्रिय है और आपके द्वारा कच्ची बस्तियों के बच्चों के लिए शिक्षा एवं संस्कार केन्द्र, महिला सिलाई केन्द्र, बालिकाओं की आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर, महिलाओं के लिए चिकित्सा शिविर जैसे सेवा कार्य किये जा रहे हैं, उनका यह प्रयास सराहनीय हैं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे पास ऐसी कई सफलता की कहानियां है जो यह साबित करती है दया, त्याग, क्षमा, बलिदान, की परिचायक बालिकाओं और महिलाओं ने जब-जब भी किसी कार्य को दृढ इच्छाशक्ति से किया उस क्षेत्र में समाज के सामने उदाहरण प्रस्तुत किया है।

धनखड़ ने अमित शाह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन नोटिस खारिज किया, कहा- कोई उल्लंघन नहीं हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन नोटिस बृहस्पतिवार को खारिज कर दिया। शाह ने अपने बयान को प्रमाणित करने के लिए 1948 की एक सरकारी प्रेस विज्ञप्ति का हवाला दिया था कि कांग्रेस के एक नेता प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष के प्रबंधन का हिस्सा थे।

धनखड़ ने विशेषाधिकार हनन नोटिस को खारिज करते हुए कहा, ''मैंने इसे ध्यानपूर्वक पढ़ा है। मुझे लगता है कि इसमें कोई उल्लंघन नहीं हुआ है।'' कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश के विशेषाधिकार हनन नोटिस पर अपनी व्यवस्था में धनखड़ ने कहा कि शाह ने कोई ''उल्लंघन'' नहीं किया है और इस सप्ताह की शुरुआत में एक बहस के दौरान उनके बयान ''सत्य का पूर्ण अनुपालन'' कर रहे थे।

सभापति ने आगे कहा कि मीडिया में चर्चा पाने के लिए विशेषाधिकार हनन का जल्दबाजी में हवाला दिया गया।

साथ ही सभापति ने सदन की आचार समिति से कहा कि वह आसन के साथ संवाद जारी करने या नोटिस जारी करने जैसे मुद्दों पर सांसदों के आचरण पर नए दिशा-निर्देश बनाए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी पर ''आक्षेप लगाने'' का आरोप लगाते हुए शाह के खिलाफ नोटिस दिया था। धनखड़ ने कहा कि शाह ने 25

मार्च को राज्यसभा में आपदा प्रबंधन विधेयक, 2024 पर हुई बहस का जवाब देते हुए कुछ टिप्पणियां करने के बाद अपने बयान को प्रमाणित करने पर सहमति व्यक्त की थी। उन्होंने कहा कि मंत्री ने 24 जनवरी, 1948 को भारत सरकार के प्रेस सूचना ब्यूरो द्वारा जारी एक प्रेस बयान का हवाला दिया, जिसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने पीएमएनआरएफ (प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष) शुरू करने की घोषणा की थी। इसका प्रबंधन प्रधानमंत्री, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष और कुछ अन्य लोगों की एक समिति द्वारा किया जाना था। धनखड़ ने कहा, ''मैंने बहस को ध्यान से पढ़ा है और केंद्रीय गृह मंत्री ने जो कहा है... गृह मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि यही चलन है।'' उन्होंने कहा ''मुझे लगता है कि कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। सत्य का पूर्ण पालन किया गया है, जिसकी पुष्टि सदस्यों के पास उपलब्ध एक दस्तावेज से होती है और ऐसी स्थिति में, मैं गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ विशेषाधिकार प्रश्न के इस नोटिस को स्वीकार करने के लिए खुद को सहमत नहीं कर सकता।'' रमेश ने बुधवार को शाह के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव पेश किया था, जिसमें उन्होंने सोनिया गांधी के खिलाफ ''बेबुनियाद आरोप'' लगाने के लिए ''उनकी छवि खराब करने के पूर्व नियोजित उद्देश्य'' का हवाला दिया था।

रमेश ने पत्र में कहा था ''भले ही गृह मंत्री ने सोनिया गांधी का नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने स्पष्ट रूप से उनका उल्लेख किया था और उन पर आरोप लगाया था। गृह मंत्री ने सोनिया गांधी की छवि खराब करने के पूर्व नियोजित उद्देश्य से उनके खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगाए थे। गृह मंत्री का बयान पूरी तरह से झूठा और अपमानजनक है।'' रमेश ने मंगलवार को राज्यसभा में आपदा प्रबंधन विधेयक, 2024 पर हुई बहस का जवाब दे रहे शाह के एक बयान का हवाला दिया था।

ओडिशा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का 'विधानसभा घेराव', पुलिस ने किया लाठीचार्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में कथित वृद्धि की जांच के लिए विधानसभा की एक समिति गठित करने की मांग को लेकर ''विधानसभा का घेराव' करने जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया और उन्हें तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछारें छोड़ीं।

कांग्रेस कार्यकर्ता जब अवरोधक तोड़कर विधानसभा भवन की ओर जाने के लिए दूसरे अवरोधक तक पहुंचे की कोशिश करने लगे तब पुलिस ने यह कार्रवाई की। एक अधिकारी ने बताया कि पार्टी के 'विधानसभा घेराव' कार्यक्रम में शामिल ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (ओपीसीसी) के अध्यक्ष भक्त चरण दास और पूर्व विधायक मोहम्मद मोकिम समेत कई नेताओं को हिरासत में लिया गया है।

दास ने कहा, ''हम गिरफ्तारी से नहीं डरते... यह आंदोलन जारी रहेगा।'' उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''हमारे कई कार्यकर्ता घायल हुए हैं, उनमें से चार गंभीर रूप से घायल हैं (पुलिस कार्रवाई में)। मैं पुलिस से आग्रह करता हूं कि बल प्रयोग करने के बजाय कानून के अनुसार उन्हें गिरफ्तार किया जाए।''

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) में ओडिशा के प्रभारी अजय कुमार लल्लू ने भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर ''पुलिस बर्बरता'' को लेकर ओडिशा सरकार की निंदा की।

भुवनेश्वर के डीसीपी जगमोहन मीना ने कहा था कि विधानसभा की ओर जाने वाली सभी सड़कों पर पुलिस बल की 80 प्लाटून तैनात की गई थीं और कानून का उल्लंघन करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी गई थी।

अखिलेश ने भाजपा को 'दुर्गंध का स्रोत' बताया, उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य का पलटवार

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यह कहते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 'दुर्गंध का स्रोत' बताया कि भाजपाइयों को दुर्गंध पसंद है तभी वे गौशाला खोल रहे हैं, जबकि उनकी पार्टी ने परफ्यूम पार्क खोला।

हालांकि, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अखिलेश पर पलटवार करते हुए कहा कि किसान, खासकर ग्वाल के बेटे, को अगर गाय के गोबर से दुर्गंध आने लगे तो समझना चाहिए कि वह अपनी जड़ों और समाज से पूरी तरह कट चुका है। यादव ने बुधवार को कन्नौज में मीडिया से बातचीत में कहा था, ''कन्नौज ने हमेशा से ही भाईचारे की खुशबू फैलाई है, जबकि भाजपा नफरत की बदबू फैला रही है। मैं कन्नौज के लोगों से भाजपा की बदबू पूरी तरह से समाप्त करने का आग्रह करता हूं। यह कुछ हद तक घट गई है, लेकिन अगली बार इसे पूरा हटा दें, ताकि कन्नौज का रुका हुआ विकास आगे बढ़ सके।'' अखिलेश ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था, ''उन्हें (भाजपाइयों को) बदबू पसंद है तभी वे गौशालाएं खोल रहे हैं। हमें खुशबू पसंद है, तभी हम एक परफ्यूम पार्क बना रहे हैं।'' यादव की इस टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोशल मीडिया पर पलटवार किया।

सरकारी विभागों में एआई-आधारित उपकरणों के उपयोग पर प्रतिबंध नहीं : जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि किसी भी सरकारी विभाग में एआई-आधारित उपकरणों के उपयोग पर कोई विशेष प्रतिबंध नहीं है क्योंकि यह एक उभरती हुई तकनीक है जिसमें नागरिक-उन्मुख वेब अनुप्रयोगों में काफी संभावनाएं हैं।

कार्मिक राज्य मंत्री सिंह ने यह भी कहा कि सरकारी अधिकारियों से किसी भी डिजिटल तकनीक या प्लेटफॉर्म का उपयोग करते समय सार्वजनिक सूचना की सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए उचित परिश्रम और सावधानी बरतने की अपेक्षा की जाती है। उन्होंने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा किसी भी एआई अनुप्रयोगों के उपयोग के संबंध में कोई डेटा नहीं रखता है। उनसे पूछा गया था कि क्या विभिन्न विभागों के अधिकारी पत्रों का मसौदा तैयार करने और अन्य रिपोर्ट बनाने के लिए चैटजीपीटी और ऐसे अन्य अनुप्रयोगों का उपयोग कर रहे हैं।

भाजपा सांसद ने रास में की मांग

मणिपुर में एनआरसी लागू कर अवैध प्रवासियों का पता लगाए सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में भाजपा के सदस्य महाराजा संजाओबा लीशेम्बा ने बृहस्पतिवार को मणिपुर को जनसांख्यिकीय असंतुलन से बचाने के लिए राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) को लागू कर अवैध प्रवासियों की पहचान करने और उन्हें निर्वासित करने की मांग की।

उच्च सदन में शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए, भाजपा सांसद लीशेम्बा ने कहा कि मणिपुर में वर्तमान कानून और व्यवस्था की स्थिति के कारण राज्य के मौजूदा चुनावी क्षेत्रों में कोई भी बदलाव करना अनुकूल नहीं होगा। उन्होंने कहा, ''1969 से 2024 तक कंगपोकपी, टेंग्नौपाल, चंदेल, चुराचांदपुर और फेरजावल जिले में गांवों की असामान्य और अतार्किक वृद्धि हुई। '' उन्होंने कहा कि यह संख्या 1969 में 731 थी जो 2024 में बढ़ कर 1624 हो गई। '' 593 गांवों की वृद्धि असामान्य है। लगभग 50 वर्षों में गांवों की संख्या में यह वृद्धि 122 प्रतिशत है।'' लीशेम्बा ने कहा कि इसके विपरीत, नगा बहुल क्षेत्रों में गांवों की संख्या 527 से बढ़ कर 576 हुई। ''नगा गांवों की संख्या में वृद्धि मात्र 49 यानी केवल नौ प्रतिशत है।'' उन्होंने आगे कहा कि अवैध प्रवासी भारतीय भूभाग में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे हैं और भारत-म्यांमा अंतरराष्ट्रीय सीमा के उस हिस्से का लाभ उठाकर अवैध घुसपैठ कर रहे हैं जहां बाड़ लगाना संभव नहीं है।

लीशेम्बा ने कहा कि घुसपैठ के बाद ये अवैध प्रवासी चुनावी राजनीति में भी दखल दे रहे हैं। भाजपा सदस्य ने सरकार ने अनुरोध किया कि मौजूदा चुनावी निर्वाचन क्षेत्रों में परिसीमन प्रक्रिया जैसे किसी भी तरह के बदलाव के लिए आगे बढ़ने से पहले, आधार वर्ष 1951 के साथ एनआरसी को लागू करके अवैध प्रवासियों की पहचान करना और उन्हें उनके देशों में निर्वासित करना जरूरी है।''

इस जिंदगी में तो माफी नहीं मांगूंगा, सपा सांसद रामजी लाल सुमन ने राणा सांगा विवाद पर कहा

नई दिल्ली/भाषा। समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सदस्य रामजी लाल सुमन ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह राणा सांगा पर अपनी टिप्पणी के लिए माफी नहीं मांगेंगे, क्योंकि इतिहास को नकारा नहीं जा सकता। सुमन ने 'पीटीआई वीडियो' को दिए साक्षात्कार में कहा कि उनके घर पर उनके परिवार को नुकसान पहुंचाने के इरादे से हमला किया गया। सपा नेता ने कहा कि उन्होंने इस घटना के बारे में राज्यसभा के सभापति को भी सूचित कर दिया है।

सुमन का हाल ही में एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वह कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि राणा सांगा एक 'गद्दार' था, जिसने इब्राहिम लोदी को हराने के लिए बाबर को बुलाया था। राणा सांगा या संग्राम सिंह प्रथम 1508 से 1528 तक मेवाड़ के शासक थे।

सांसद ने बृहस्पतिवार को कहा, ''मैं इस जन्म में माफी नहीं मांगूंगा, मुझे अगले जन्म का पता नहीं है।'' सुमन ने यह टिप्पणी उनके आगरा स्थित घर पर करणी सेना के सदस्यों द्वारा कथित तौर पर किए गए हमले के एक दिन बाद की है।

सुमन ने कहा, ''उन्हें सच स्वीकार करना सीखना होगा। बाबर को राणा सांगा ने इब्राहिम लोदी को हराने के लिए आमंत्रित किया था। उन्हें यह गलतफहमी थी कि बाबर एक लुटेरा है और वह वापस चला जाएगा तथा हम शासन करेंगे।''

पारंपरिक नमाज पर पाबंदी नहीं, सुरक्षा के मद्देनजर छत पर एकत्रित होने पर रोक : संभल के एएसपी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संभल (उप्र)/भाषा। संभल के अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) श्रीश चंद्र ने बृहस्पतिवार को कहा कि पारंपरिक ढंग से नमाज अदा करने पर कोई पाबंदी नहीं है, लेकिन दुर्घटनाएं रोकने के लिए छतों पर बड़ी संख्या में एकत्रित होने पर रोक लगाई गई है।

जुमा (शुक्रवार) अलविदा की नमाज को लेकर तैयारियों पर संवाददाताओं से बातचीत में एएसपी ने कहा कि लोग शांतिपूर्ण ढंग से नमाज अदा करें, यह सुनिश्चित करने के लिए सेक्टर और जोन के अंतर्गत पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि बुधवार को शांति समिति की बैठक में कुछ लोगों द्वारा छतों पर नमाज पढ़ने का मामला उठाया गया था। एएसपी ने कहा कि उन लोगों ने पूछा था कि क्या वे आसपास की छतों पर गैर परंपरागत रूप से नमाज अदा कर सकते हैं, जिस पर यह स्पष्ट किया गया कि छतों पर एकत्र न हों, क्योंकि इससे हादसा हो सकता है।

चंद्र ने बताया कि इसी तरह सड़क पर नमाज पढ़ने से भी दुर्घटना की आशंका को देखते हुए उन्हें वहां (सड़क पर) भी नमाज अदा करने को मना किया गया है। एएसपी ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि परंपरागत तरीके से जिन मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज अदा की जाती रही है, वहां इसे सकुशल तौर पर संपन्न कराया जाए। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने कहा कि इस बात के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि नमाज केवल निर्धारित ईदगाहों और मस्जिदों में ही अदा की जाए न कि सड़कों पर। उन्होंने कहा कि इलाके में आगामी अप्रैल को नई सत्यव्रत पुलिस चौकी का उद्घाटन किया जाएगा। कोट गर्वी मोहल्ले में शाही जामा मस्जिद के पास पुलिस चौकी के निर्माण के लिए पिछले साल 28 दिसंबर को औपचारिक 'भूमि पूजन' किया गया था। सत्यव्रत चौकी संभल थाने के अधीन काम करेगी। बिश्नोई ने बृहस्पतिवार को कहा कि जुमे की नमाज के लिए सुरक्षा रणनीति बनाई गई है जिसमें प्रांतीय सशस्त्र बल (पीएसी) और रैपिड रिस्पांस फोर्स (आरआरएफ) की 10 कंपनियों की तैनाती की गई है। बल प्रमुख स्थानों पर तैनात रहेगा और स्थिति के अनुसार उनकी तैनाती को समायोजित किया जाएगा।

लोकसभा अध्यक्ष ने राहुल के बाद अब पप्पू यादव को सदन की मर्यादा की याद दिलाई

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सदन की मर्यादा की याद दिलाने के एक दिन बाद बृहस्पतिवार को निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को किसी केंद्रीय मंत्री के कंधे पर हाथ रखकर बात नहीं करने की नसीहत दी। यादव, सदन में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू के बगल में बैठे थे। उन्हें मंत्री के साथ बातचीत करते देखा गया और इस दौरान उन्होंने नायडू के कंधे पर हाथ रख दिया था। बिरला ने बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद को मंत्री के कंधे पर हाथ रखने के प्रति आगाह किया। लोकसभा अध्यक्ष ने बुधवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से कहा था कि वह नियमों और सदन की मर्यादा के अनुरूप आचरण करें। इसके बाद, कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया था कि सदन को अलोकतांत्रिक तरीके से चलाया जा रहा है और उन्हें बोलने का मौका नहीं दिया जा रहा। बिरला ने शून्यकाल के बाद कहा था, ''कई पिता-पुत्री, माता-बेटी और पति-पत्नी इस सदन के सदस्य रहे हैं और इसी परिप्रेक्ष्य में नेता प्रतिपक्ष से अपेक्षा की जाती है कि वह सदन के नियमों और परंपराओं के अनुरूप आचरण करेंगे।''

अगले साल बंगाल में कमल खिलेगा, घुसपैठ बंद होगी: शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को अवैध घुसपैठ के मुद्दे को लेकर तृणमूल कांग्रेस को घेरते हुए लोकसभा में कहा कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में प्रदेश में 'कमल खिलेगा' और बांग्लादेश से घुसैपैठियों के आने का सिलसिला बंद होगा। उन्होंने 'आप्रवास और विदेशियों विषयक विधेयक, 2025' पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा, ''हमारी बांग्लादेश से सटी हुई सीमा 2,216 किलोमीटर की है। उसमें से 1,653 किलोमीटर पर बाड़ लग चुकी है। बाड़ के पास की सड़क भी बन चुकी है और चौकियां भी बन चुकी हैं।''

शाह का कहना था कि जो शेष 563 किलोमीटर सीमा है, वो आज भी खुली है। उन्होंने कहा, ''ये जो 563 किमी है उसमें से 112 किमी ऐसी है जहां नदी, नाले, पहाड़ियां आदि के चलते बाड़ नहीं लग सकती। वहीं, 450 किमी ऐसी है जहां बाड़ लगना बाकी है। लेकिन वहां बाड़ नहीं लग पा रही क्योंकि पश्चिम बंगाल सरकार भूमि नहीं देती है। इसके लिए सात बैठकें हो चुकी हैं।'' उन्होंने कहा, ''दिल्ली के चुनाव के समय मैं मौन रहा कि देश की सुरक्षा से जुड़ा प्रश्न था, लेकिन आज मौका और दस्तूर भी है और संबंधित विषय पर विधेयक आया है तो मैं देश की जनता को सच्चाई से अवगत करा रहा हूं।'' शाह ने इस बात पर जोर दिया, ''पश्चिम बंगाल में 2026 में चुनाव है, कमल खिलेगा और यह सब बंद हो जाएगा।'' शाह ने लोकसभा में 'त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी विधेयक, 2025' पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए भी पश्चिम बंगाल में विस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के जीतने का विश्वास जताया था। उन्होंने कहा था कि मोदी सरकार ने आयुष्मान योजना के तहत पांच लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा गरीबों को दी है। उन्होंने कहा, ''अब दिल्ली में भी कमल खिल गया है और यहां भी गरीबों को आयुष्मान योजना का लाभ मिलेगा। बस पश्चिम बंगाल रह गया है और अगले विधानसभा चुनाव के बाद वहां भी यह योजना लागू हो जाएगी।''

मुसलमानों को देश में अन्य नागरिकों के समान अधिकार मिलने चाहिए: निशिकांत दुबे

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने बृहस्पतिवार को सरकार से अनुरोध किया कि देश में संविधान के अनुच्छेदों 14, 15 और 49 को लागू किया जाए और मुसलमानों को अन्य नागरिकों के समान ही अधिकार प्रदान किये जाएं।

दुबे ने शून्यकाल में कहा, ''संविधान खतरे में है।'' उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 49 में कहा गया है कि धार्मिक स्थलों के रखरखाव की जिम्मेदारी केंद्र सरकार की है। दुबे ने कहा, ''लेकिन इस देश में दो ऐसे कानून बने....1991 में उपासना स्थल अधिनियम बना जो हिंदुओं को कहता है कि आप अपने आप को संयमित कर लीजिए और 1995 में उसी सरकार ने ऐसा कानून बनाया जिसमें कहा गया कि 'उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ' यानी जिस संपत्ति पर मुसलमान हाथ रख दे, वह उसकी है। इस आधार पर मदरसे समेत भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के स्मारकों पर मुसलमानों ने अधिकार कर लिया।'' दुबे ने कहा कि इस देश में मुसलमानों को ''संपत्ति का अधिकार, ठेकेदारी में आरक्षण, स्मारक दिए जा रहे हैं।'' उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि देश में अनुच्छेद 49, अनुच्छेद 14 और 15 को लागू करते हुए मुस्लिम समुदाय के अधिकारों को समानता के दायरे में लाया जाना चाहिए।

एक साथ चुनाव संबंधी समिति के समक्ष अपने विचार साझा कर सकते हैं सांसद: बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बृहस्पतिवार को कहा कि एक साथ चुनाव के प्रावधान वाले दो विधेयकों पर विचार कर रही संसदीय समिति के समक्ष सांसद ''एक राष्ट्र एक चुनाव'' की अवधारणा पर अपने विचार और दृष्टिकोण साझा कर सकते हैं।

ओम बिरला ने सदन में कहा कि कई युवा सांसदों ने विभिन्न विषयों से संबंधित अलग-अलग बैठकों के दौरान उनके समक्ष इस अवधारणा पर अपने विचार साझा किए हैं। उन्होंने कहा, ''नये सांसदों ने बहुत अच्छा तर्क दिया है।''लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि वह सांसदों से अनुरोध करेंगे कि वे अपने विचारों को भारतीय जनता पार्टी सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री पीपी चौधरी की अध्यक्षता वाली संसद की संयुक्त समिति के साथ साझा करें।

'करियर के इस पड़ाव पर भी लगातार सुधार की कोशिश कर रहे हैं कोहली'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) के बल्लेबाजी कोच दिनेश कार्तिक ने बृहस्पतिवार को कहा कि विराट कोहली की अनुकरणीय कार्यशैली उनके साथियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है और यह भारतीय सुपरस्टार खुद में लगातार सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध है। पिछले आईपीएल चरण के बाद संन्यास लेने वाले आरसीबी के पूर्व खिलाड़ी कार्तिक ने कहा कि कोहली में पहले की तरह भूख है।

पूर्व भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ने आरसीबी बनाम चेन्नई सुपर किंग्स मुकाबले की पूर्व संध्या पर कहा, ''अभी जब मैं मैदान पर आया तो आज भी वह एक और शॉट पर काम करना चाहते हैं। इस समय एक और शॉट पर काम करना आपको बताता है कि उनके अंदर अभी कितनी भूख है। वह सिर्फ सुधार करना चाहते हैं और अपने खेल का मानक बढ़ाना चाहते हैं। इसलिए वह खास खिलाड़ी हैं। और इस समय जैसा कि मैं देखता हूं, वह आईपीएल में पहले की तरह ही आत्मविश्वास से और अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। '' कार्तिक ने स्पिन के खिलाफ उनके हालिया संघर्ष पर कहा, ''उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी में कुछ बेहतरीन रन बनाये। उन्होंने हाल में स्पिन के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी की है, खासकर सफेद गेंद वाले क्रिकेट में। इसलिए मैं आंकड़ों में बहुत गहराई में नहीं जाना चाहता। '' उन्होंने कहा, मुझे बहुत जानकारी नहीं है। लेकिन मुझे याद है तो विश्व कप फाइनल, जिसमें उन्होंने रन बनाए जहां इसकी जरूरत थी।

इंपेक्ट प्लेयर नियम पर ग्लेन फिलिप्स ने कहा, अभी सब ठीक लेकिन ऑलराउंडर को नुकसान हो सकता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। न्यूजीलैंड और गुजरात टाइटंस के ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स का मानना है कि आईपीएल में इंपेक्ट प्लेयर नियम फिलहाल काम कर रहा है लेकिन यह कभी ना कभी ऑलराउंडर के विकास में समस्याएं खड़ी कर सकता है।

इस नियम पर लोगों की राय अलग-अलग है लेकिन भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसे कम से कम 2027 के सत्र तक लागू किया है।

इंपेक्ट प्लेयर के रूप में अतिरिक्त बल्लेबाज मिलने से लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को पहली ही गेंद से आक्रामक रुख अपनाने का मौका मिलता है। इसी तरह बाद में गेंदबाजी करने वाली टीम ऑलराउंडर की जगह अतिरिक्त विशेषज्ञ गेंदबाज को खिला सकती है। फिलिप्स ने पीटीआई से कहा, ''मैं ना तो इसके पक्ष में हूं और ना खिलाफ। यह निश्चित रूप से टीम को अलग-अलग चीजें करने की अनुमति देता है। लेकिन मुझे लगता है कि किसी स्तर पर ऑलराउंडर बाहर हो सकते हैं और इसका स्पष्ट रूप से अंतरराष्ट्रीय मैच, अंतरराष्ट्रीय टी20, अंतरराष्ट्रीय एकदिवसीय मुकाबले पर असर पड़ सकता है।'' उन्होंने कहा, ''तो अभी के लिए, यह क्रिकेट का एक बेहतरीन मनोरंजक ब्रांड है। लेकिन मुझे लगता है कि आईपीएल ने जो अच्छा काम किया है, वह है कि नियमों को माहौल के अनुसार बदलना।'' फिलिप्स ने कहा, ''बेशक इंपेक्ट प्लेयर नियम इस समय काम कर रहा है लेकिन फिर वे एक और नियम ला सकते हैं और खेल को और मनोरंजक बना सकते हैं।'' पिछले सत्र में रोहित शर्मा ने कहा था कि वह इंपेक्ट प्लेयर नियम के प्रशंसक नहीं हैं क्योंकि इससे भारतीय ऑलराउंडर के विकास में बाधा आती है। मौजूदा सत्र से पहले हार्दिक पांड्या ने कहा कि शुरुआती एकादश में उभरते हुए ऑलराउंडर को शामिल करना मुश्किल है जब तक कि कोई उनके जैसा विशुद्ध ऑलराउंडर नहीं हो।

फिलिप्स ने आईपीएल 2025 से पहले गेंद पर लार लगाने से जुड़े प्रतिबंध को हटाने का भी समर्थन किया। उन्होंने कहा, ''इस साल लार का इस्तेमाल किया जा सकता है जिससे जाहिर तौर पर रिवर्स स्विंग को भी मदद मिलेगी। अगर कोई अतिरिक्त बल्लेबाज खेल रहा है तो गेंदबाजों की मदद के लिए भी कुछ होना चाहिए।''

सुविचार

जो कुछ हमारा है, वह हम तक तभी पहुचता है, जब हम उसे ग्रहण करने की क्षमता अपने अंदर विकसित कर लेते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यह 'मनमानी' क्यों?

हाल में मध्य प्रदेश के विदिशा जिले में चलती ट्रेन में किन्नरों के समूह ने एक युवक को जिस तरह पीट-पीटकर मौत के घाट उतारा, उससे कई सवाल खड़े होते हैं। इस घटना का वीडियो जब से वायरल हुआ है, सोशल मीडिया पर बड़ी तादाद में लोगों ने बताया कि पूर्व में उन्हें भी बुरे अनुभव का सामना करना पड़ा था। देश में हर नागरिक को गरिमापूर्ण ढंग से जीवन जीने का अधिकार है, लेकिन किसी को यह विशेषाधिकार नहीं है कि वह लोगों से मनमाने तरीके से धन छीने। किन्नर भारतीय समाज का हिस्सा हैं। एक नागरिक होने के नाते उन्हें वे सभी अधिकार हैं, जो अन्य लोगों को होते हैं। अक्सर कुछ लोग उन पर आपत्तिजनक एवं अशोभनीय टिप्पणियां करते हैं, जो बिल्कुल गलत है। ऐसा करना उस इन्सान के अस्तित्व का अपमान करना है, लेकिन किसी किन्नर द्वारा लोगों से किया गया अमर्यादित व्यवहार भी अनुचित है। लोगों की शिकायत रहती है कि कुछ किन्नर ट्रेनों, बसों और सार्वजनिक स्थानों पर परेशान करते हैं, रुपए मांगते हैं। अगर कोई व्यक्ति रुपए देने से इन्कार करता है या कम रुपए देता है तो वे उसके लिए बहुत ही आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग करते हैं। कई बार टकराव की नौबत आ जाती है। यह जबरन 'वसूली' नहीं है तो क्या है? लोग अपनी खुशी से दे देते हैं, लेकिन कोई व्यक्ति न देना चाहे तो उसे इसके लिए बाध्य क्यों किया जाए? रुपए कमाना कोई आसान काम नहीं है। व्यक्ति अपनी मेहनत की कमाई किसी को अकारण ही न देना चाहे तो उसे अशोभनीय शब्दों से नवाज़ना और पिटाई करना कहां तक जायज है? मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में भीख मांगने और भीख देने, दोनों को ही हतोत्साहित करने के लिए कुछ सख्त कदम उठाए गए हैं। अब समय आ गया है कि सरकारें उन सभी लोगों के खिलाफ सख्ती बरतें, जो ट्रेनों, बसों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर नागरिकों से रुपए मांग-मांगकर उन्हें परेशान करते हैं। जो व्यक्ति इस तरह रुपए मांगता है, उसे कोई हुनर सिखाने की व्यवस्था की जाए, ताकि वह खुद का कामकाज करे, लोगों को न सताए। आज सोशल मीडिया की पहुंच दुनियाभर में है। जब विदेशी पर्यटक ऐसी घटनाएं देखते होंगे तो क्या सोचते होंगे? क्या वे ऐसी जगह जाना चाहेंगे, जहां लोगों से इस तरह 'वसूली' की जाती हो?

जब किसी के घर में ब्याह-शादी होती है, बच्चे का जन्म होता है तो किन्नर वहां जाकर 'बधाई' देते हैं। चूंकि खुशी का मौका होता है, इसलिए लोग उन्हें खाली हाथ नहीं लौटाते, लेकिन ऐसी कई घटनाएं हो चुकी हैं, जब लोगों ने उन पर मनमानी रकम मांग कर परेशान करने का आरोप लगाया। कई इलाकों में तो लोगों ने सभाएं आयोजित कर यह मुद्दा उठाया और तय किया कि किन्नरों द्वारा ज्यादा रकम मांगे जाने और परेशान किए जाने पर पुलिस को सूचित करेंगे। कई लोग पुलिस को ज्ञापन दे चुके हैं कि किन्नरों की मनमानी से रंग में भंग पड़ता है, लिहाजा कुछ अंकुश लगाया जाए। पिछले महीने उत्तराखंड के कई ग्रामीणों ने प्रशासन से शिकायत की थी कि उनके यहां शादी और बच्चे के जन्म आदि पर किन्नर मनमानी रकम 'वसूलने' आ जाते हैं। जब संबंधित परिवार ज्यादा रुपए देने में असमर्थ होता है तो ये लोग वहां धरना देते हैं, आपत्तिजनक हरकतें करते हैं और जमकर खरी-खोटी सुनाते हैं। भोपाल निवासी एक व्यक्ति बताते हैं कि शुभ अवसर के बाद किन्नर पार्टियां आकर बेहिसाब रुपए देने के लिए मनमानी करती हैं, नाजायज दबाव बनाती हैं। एक बार उनके घर पर ऐसी ही 'पार्टी' आई, जिसने बहुत बड़ी रकम मांगी। जब परिवार ने इतनी रकम देने से इन्कार किया तो वे लोग अश्लील हरकतें करने लगे। आखिरकार पांच हजार रुपए लिए और महिला की सोने की बाली उतरवा ली। कुछ साल पहले पश्चिम बंगाल के मालदा जिले का एक मामला बहुत चर्चा में रहा था, जहां किन्नरों ने एक नवजात को करीब तीन घंटे तक अपने पास रखा और ढोल बजाते हुए बहुत बड़ी रकम मांगते रहे। बाद में पता चला कि उस बच्चे की भूख के कारण मौत हो गई! आम आदमी यह 'मनमानी' क्यों झेले? इस पर तुरंत लगाम लगाई जाए।

ट्वीटर टॉक

आज भरतपुर प्रवास के दौरान अपने शैक्षणिक संस्थान महारानी श्री जया गवर्नमेंट कॉलेज में पूर्व सहपाठियों एवं मित्रजनों से मुलाकात कर उनके साथ आत्मीय संवाद किया। इस दौरान पुराने संस्मरणों को साझा करते हुए शैक्षणिक जीवन के अनमोल क्षणों को याद किया।

-भजनलाल शर्मा

राजस्थान की महिलाओं के मेंस्ट्रुअल हाइजीन, बेहतर स्वास्थ्य तथा विभिन्न रोगों से उनका बचाव करने के उद्देश्य से हमारी सरकार ने उड़ान योजना शुरू की थी जिसके अंतर्गत महिलाओं तथा किशोरियों को निःशुल्क सेनेटरी नैपकिन वितरित किए गए थे।

-अशोक गहलोत

वीजा की प्रक्रिया बहुत पुरानी है। हम जो ये सुधार लेकर आए हैं वो कोई नया नहीं है। 2010 में 5 देशों के नागरिकों को पर्यटन वीजा ऑनलाइन देने की शुरुआत हुई। 2010-2014 के बीच में 7 देशों को बढ़ाया गया और अब ये सुविधा 169 देशों तक हमने किया है।

-अमित शाह

प्रेरक प्रसंग

ईमानदारी से राष्ट्रभक्ति

एक बार भगतसिंह के पास एक सेठ आये। सेठ को भगतसिंह की ऊर्जा और उनके भाषणों से अनोखा उत्साह मिला था। सेठ ने चांदी के सिक्कों की एक भारी थैली भगतसिंह को सौंपनी चाही। मगर भगतसिंह के हाथ में कुछ कागज थे। उनमें अगले हफ्ते की बगावती योजना का विस्तार था। भगतसिंह ने एक कार्यकर्ता से कहा, 'सेठजी का नाम और पता लिखकर यह थैली दान में शामिल कर लो।' यह सुनकर सेठ को अजीब-सा लगा। 'मैंने यह चांदी कितने समय में अर्जित की है। आप शायद जानते नहीं। और आप इसे हाथ भी नहीं लगा रहे?' 'जी बात यह है कि अगर मेरे हाथ सोने और चांदी से ही भरे रहेंगे तो मेरा मन जनसेवा, देशसेवा तथा इन दमनकारी अंग्रेजों के उन्मूलन में नहीं लग सकेगा।' ऐसा कहकर भगतसिंह ने उनको सत्य से अवगत कराया। यह सुनकर, वह सेठ भारत माता के सपूत के इतने निर्मल दृष्टिकोण तथा ईमानदारी पर गद्गद हो गया।

सामयिक

अन्य देशों में रह रहे हिंदुओं के साथ खड़े रहने की आवश्यकता

प्रहलाद सबनानी

मोबाइल : 9987949940

आज लगभग 4 करोड़ से अधिक भारतीय मूल के नागरिक विश्व के अन्य देशों में शांतिपूर्ण तरीके से रह रहे हैं एवं इन देशों की आर्थिक प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। कई देशों में तो भारतीय मूल के नागरिक इन देशों के राजनैतिक पटल पर भी अपनी उपयोगिता सिद्ध कर रहे हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, आदि विकसित देश इसके प्रमाण हैं। आस्ट्रेलिया में तो भारतीय मूल के नागरिकों को राजनैतिक क्षेत्र में सक्रिय करने के गम्भीर प्रयास स्थानीय स्तर पर किए जा रहे हैं, क्योंकि अन्य देशों में भारतीय मूल के नागरिकों की इस क्षेत्र में सराहनीय भूमिका सिद्ध हो चुकी है। राजनैतिक क्षेत्र के अतिरिक्त आर्थिक क्षेत्र में भी भारतीय मूल के नागरिकों ने अपनी उपयोगिता सिद्ध की है जैसे अमेरिका के सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आज भारतीयों का ही बोलबाला है।

अमेरिका में प्रतिवर्ष लगभग 85,000 एच वन-बी वीजा जारी किए जाते हैं, इसमें से लगभग 60,000 एच वन-बी वीजा भारतीय मूल के नागरिकों को जारी किए जाते हैं। इसी प्रकार अमेरिका की प्रमुख बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी भारतीय मूल के नागरिक बन रहे हैं। आज अमेरिका एवं ब्रिटेन में प्रत्येक 7 चिकित्सकों में एक भारतीय मूल का नागरिक हैं। न केवल उक्त वर्णित विकसित देशों बल्कि खाड़ी के देशों यथा, बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में भी भारतीय मूल के नागरिक भारी संख्या में शांतिपूर्ण तरीके से रह रहे हैं एवं इन देशों के आर्थिक विकास में अपनी प्रभावशाली भूमिका निभा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, कई देशों यथा सिंगापुर, गुयाना, पुर्तगाल, सूरीनाम, मारीशस, आयरलैंड, ब्रिटेन, अमेरिका आदि के राष्ट्राध्यक्ष (प्रधानमंत्री अथवा राष्ट्रपति/उपराष्ट्रपति) भारतीय मूल के नागरिक रहे हैं एवं कुछ देशों में तो अभी भी इन पदों पर आसीन हैं। साथ ही, 42 देशों की सरकार अथवा विपक्ष में कम से कम एक भारतवंशी रहा है।

दूसरी ओर, भारत के पड़ौसी देशों बांग्लादेश, पाकिस्तान एवं अफगानिस्तान में भारतीय मूल के नागरिकों, विशेष रूप से हिंदुओं की जनसंख्या लगातार कम हो रही है। बांग्लादेश में तो वर्ष 1951 में कुल आबादी में हिंदुओं की आबादी 22 प्रतिशत थी वह आज घटकर 8 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है। लगभग यही हाल पाकिस्तान का भी है। बांग्लादेश में तो हाल ही के समय में सत्ता पलट के पश्चात हिंदुओं सहित वहां के अल्पसंख्यक समुदायों पर कातिलाना हमले किए गए हैं। केवल बांग्लादेश ही क्यों बल्कि विश्व के किसी भी अन्य देश में हिंदुओं के साथ इस प्रकार की घटनाओं का कड़ा विरोध होना चाहिए। भारतीय मूल के नागरिक सनातन संस्कृति के संस्कारों के चलते बहुत ही शांतिपूर्वक तरीके से इन देशों के विकास में अपनी भागीदारी निभाते हैं। इसके बावजूद भी यदि भारतीयों पर इस प्रकार के आक्रमण किए जाते हैं तो इसकी निंदा तो की ही जानी चाहिए एवं विश्व समुदाय से इस संदर्भ में सहायता भी मांगी जानी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। बांग्लादेश में हिंदूओं सहित अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर हुए घातक हमलों की अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने भी भर्त्सना की थी, इसी प्रकार के विचार अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने भी प्रकट किया थे। परंतु, आज आवश्यकता इस बात की है कि भारतीय हिंदू समाज भी विदेशों में रह रहे भारतीय मूल के नागरिकों के साथ खड़ा हो। इसी संदर्भ में, 21 से 23 मार्च को बेंगलूरु में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में बांग्लादेश के हिंदू समाज के साथ एकजुटता से खड़े रहने का आह्वान किया गया है एवं इस संदर्भ में निम्नलिखित एक विशेष प्रस्ताव भी पास किया गया है।

अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा, बांग्लादेश में हिंदू और अन्य अल्प संख्यक समुदायों पर इस्लामी कट्टरपंथी तत्वों द्वारा लगातार हो रही सुनियोजित हिंसा, अन्याय और उत्पीड़न पर गहरी चिंता व्यक्त करती है। यह स्पष्ट रूप से मानवाधिकार हनन का गम्भीर विषय है। बांग्लादेश में वर्तमान सत्ता पलट के समय मठ मंदिरों, दुर्गा पूजा पंडालों और शिक्षण संस्थानों पर आक्रमण, मूर्तियों का अनादर, नृशंस हत्याएं, सम्पत्ति की लूट, महिलाओं के अपहरण और अत्याचार, बलात मतांतरण जैसी अनेक घटनाएं सामने आ रही हैं। इन घटनाओं को केवल राजनीतिक बताकर इनके मजहबी पक्ष को नकारना सत्य से मुंह मोड़ने जैसा होगा, क्योंकि अधिकतर पीड़ित, हिंदू और अन्य अल्प संख्यक समुदायों से ही हैं।

बांग्लादेश में हिंदू समाज, विशेष रूप से अनुसूचित जाति तथा जनजाति समाज का इस्लामी कट्टरपंथी तत्वों द्वारा उत्पीड़न कोई नई बात नहीं है। बांग्लादेश में हिंदुओं की निरंतर घटती जनसंख्या (1951 में 22 प्रतिशत से वर्तमान में 7.95 प्रतिशत) दर्शाती है कि उनके सामने अस्तित्व का संकट है। विशेषकर, पिछले वर्ष की हिंसा और घृणा को जिस तरह सरकारी और संस्थागत समर्थन मिला, वह गम्भीर चिंता का विषय है। साथ ही, बांग्लादेश से लगातार हो रहे भारत विरोधी वक्तव्य दोनों देशों के सम्बन्धों को गहरी हानि पहुंचा सकते हैं।

कुछ अंतरराष्ट्रीय शक्तियां जान बूझकर भारत के पड़ौसी क्षेत्रों में अविश्वास और टकराव का वातावरण बनाते हुए एक देश को दूसरे के विरुद्ध खड़ा कर अस्थिरता फैलाने का प्रयास कर रही हैं। प्रतिनिधि सभा, चिन्तनशील वर्गों और अंतरराष्ट्रीय मामलों से जुड़े विशेषज्ञों से अनुरोध करती हैं कि वे भारत विरोधी वातावरण, पाकिस्तान तथा डीप स्टेट की सक्रियता पर दृष्टि रखें और इन्हें उजागर करें। प्रतिनिधि सभा इस तथ्य को रेखांकित करना चाहती है कि इस सारे क्षेत्र की एक सांझी संस्कृति, इतिहास एवं सामाजिक सम्बंध हैं जिसके चलते एक जगह हुई कोई भी उथल पुथल सारे क्षेत्र में अपना प्रभाव उत्पन्न करती हैं। प्रतिनिधि सभा का मानना है कि सभी जागरूक लोग भारत और पड़ौसी देशों की इस सांझी विरासत को दृढ़ता देने की दिशा में प्रयास करें।

यह उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश के हिंदू समाज ने इन अत्याचारों का शांतिपूर्ण, संगठित और लोकतांत्रिक पद्धति से साहसपूर्वक विरोध किया है। यह भी प्रशंसनीय है कि भारत और विश्वभर के हिंदू समाज ने उन्हें नैतिक और भावनात्मक समर्थन दिया है। भारत सहित शेष विश्व के अनेक हिंदू संगठनों ने इस हिंसा के विरुद्ध आंदोलन एवं प्रदर्शन किए हैं और बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा व सम्मान की मांग की है। इसके साथ ही विश्व भर के अनेक नेताओं ने भी इस विषय को अपने स्तर उठाया है।

भारत सरकार ने बांग्लादेश के हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के साथ खड़े रहने और उनकी सुरक्षा की आवश्यकता को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताई है। उसने यह विषय बांग्लादेश की आंतरिक सरकार के साथ साथ कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी उठाया है। प्रतिनिधि सभा भारत सरकार से अनुरोध करती है कि वह बांग्लादेश के हिंदू समाज की सुरक्षा, गरिमा और सहज स्थिति सुनिश्चित करने के लिए वहां की सरकार से निरंतर संवाद बनाए रखने के साथ साथ हर सम्भव प्रयास जारी रखे। प्रतिनिधि सभा का मत है कि संयुक्त राष्ट्रसंघ जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों व वैश्विक समुदाय को बांग्लादेश में हिंदू तथा अन्य अल्प संख्यक समुदायों के साथ हो रहे अमानवीय व्यवहार का गम्भीरता से संज्ञान लेना चाहिए और बांग्लादेश सरकार पर इन हिंसक गतिविधियों को रोकने का दबाव बनाना चाहिए। प्रतिनिधि सभा हिंदू समुदाय एवं अन्यान्य देशों के नेताओं से तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से आह्वान करती है कि बांग्लादेशी हिंदू तथा अन्य अल्पसंख्यक समाज के समर्थन में एकजुट होकर अपनी आवाज उठाएं।

यह प्रथम बार नहीं है कि भारत के किसी सांस्कृतिक संगठन ने विदेशों में रह रहे भारतीय मूल के नागरिकों के हित में आवाज उठाई है। बल्कि, पूर्व में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, बांग्लादेश में हिंदुओं एवं अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर हो रहे अत्याचार की बात विभिन्न मंचों पर करता रहा है। क्योंकि, यह पूरे विश्व के हित में है कि हिंदू सनातन संस्कृति को पूरे विश्व में फैलाया जाय ताकि पूरे विश्व में ही शांति स्थापित हो सके। इसके साथ ही, वैश्विक पटल पर भी संघ का कार्य द्रुत गति पकड़ता दिखाई दे रहा है। विश्व के अन्य देशों में हिंदू स्वयंसेवक संघ कार्य कर रहा है। आज विश्व के 53 देशों में 1,604 शाखाएं एवं 60 साप्ताहिक मिलन कार्यरत हैं। पिछले वर्ष 19 देशों में 64 संघ शिक्षा वर्ग लगाए गए। विश्व के 62 विभिन्न स्थानों पर संस्कार केंद्र भी कार्यरत हैं। जर्मनी से इस वर्ष 13 विस्तारक भी निकले हैं। इस प्रकार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उक्त प्रयासों की जितनी प्रशंसा की जाय उतनी कम है।

नजरिया

मोदी वोट के लिए नहीं, देश के लिए अपना कर्तव्य निभा रहे हैं

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

पिछले कुछ महीनों से वक्फ भूमि मुद्दे पर इस्लामी संगठनों या राजनीतिक दलों की आलोचना की पृष्ठभूमि में मोदी का यह कदम महत्वपूर्ण है। भाजपा और उसके सहयोगियों के खिलाफ इस्लामवादियों का गुस्सा ऐसा है कि विभिन्न मुस्लिम संगठनों ने ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड सहित विभिन्न मुस्लिम संगठनों द्वारा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जिन्हें मूल रूप से धर्मनिरपेक्ष माना जाता है, की इफ्तार रैलियों का बहिष्कार किया।

भाजपा ईद के मौके पर अल्पसंख्यक परिवारों के घरों तक खुशियों की सौगात दे रही है। 'सौगात-ए-मोदी' किट के जरिए भाजपा 32 लाख मुस्लिमों के घरों तक पहुंच रही है और ईद की खुशियां बांटी जा रही है। ईद के जश्न से पहले मुसलमानों के बीच खाने-पीने की चीजों और महिलाओं के लिए कपड़ों से भरी 'सौगात-ए-मोदी' किट बांटे जाने की शुरुआत हो चुकी है। इस पहल की शुरुआत दिल्ली के निजामुद्दीन औलिया के इलाके से हुई है। जहां अधिक संख्या में मुसलमान औरतें एकत्रित हुईं और सभी प्रधानमंत्री मोदी की लंबी उम्र के लिए दुआएं कर रही थीं। मुसलमान औरतें कह रही थीं कि ऐसे प्रधानमंत्री आगे कई साल तक देश में बने रहें। भाजपा का मकसद यह है कि देश में सौहार्द्र, भाईचारा और मिलीजुली संस्कृति की पहचान आगे बढ़ती रहे। भारतीय जनता पार्टी ईद के मौके पर 32 लाख मुसलमानों को 'सौगात-ए-मोदी' किट दे रही है। भाजपा की ये पहल पार्टी के 'सबका साथ, सबका विकास और सबके लिए 'प्रयास' की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता यासिर जिलानी ने बताया, ईद के मौके पर 32 लाख मुसलमानों को 'सौगात-ए-मोदी' किट देने के पीछे कोई बड़ा मकसद नहीं, बल्कि यह है कि हमारी सरकार के मूलमंत्र 'सबका साथ, सबका विकास और सबके लिए प्रयास' को जमीन पर चरितार्थ किया गया है।

अब इसी माहौल में भाजपा की 'सौगात-ए-मोदी' किट योजना ने राजनीतिक दलों के बीच खींचतान को और बढ़ा दिया है। विपक्षी दलों के नेताओं ने कहा कि यह कदम आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है और भाजपा मुस्लिम मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित करने की कोशिश कर रही है। कुछ लोग इसे सरकार की अच्छी पहल बता रहे हैं, तो कुछ इसे राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास मान रहे हैं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष हाजी आरिफ तुर्की का कहना है कि बिहार में चुनाव हैं इसलिए भाजपा मुस्लमानों को लुभाने का काम कर रही है। पहले भी देश में 10 वर्ष से भारतीय जनता पार्टी की सरकार है और प्रदेश में 8 वर्ष पूरे हो चुके हैं, लेकिन कभी भी भाजपा ने मुस्लमानों के हित की बात नहीं कही। भाजपा ने जितने अत्याचार किए हैं उन्हें मुस्लमान कभी भूल नहीं सकता। सपा, बसपा, कांग्रेस भी इसी प्रकार से प्रधानमंत्री के इस प्रयास की आलोचना कर रही है।

भले ही विरोधी दल इसकों किसी भी नज़र से देख रहे हो पर एक सच्चा नेता जो कार्यकर्ताओं, अंधभक्तों या भक्तों की परवाह किए बिना निर्णय लेने का साहस दिखाता है। अगर इस परिभाषा को एक कसौटी के तौर पर देखा जाए तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसे नेता के वाजिब और सराहनीय उदाहरण हैं। उनका ताजा फैसला साहस दिखाता है। अगर चरम इस्लामोफोबिया, देश के सामने आने वाली सभी समस्याओं/चुनौतियों के लिए मुसलमानों को जिम्मेदार ठहराना अतिवादी हिंदुत्व की निशानी माना जाता है, तो प्रधानमंत्री मोदी ने बिल्कुल भी परवाह नहीं की। दिल्ली की नई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और कई अन्य नेता हाल ही में हिंदुत्व कट्टरपंथियों के क्रोध का शिकार हुए हैं। इफ्तार खाना। इन लोगों को और कई अन्य लोगों को हिंदुत्व जलपाका की कठबोली बहती दिख रही है। कई मुसलमान रमजान के दौरान सख्त उपवास रखते हैं। इफ्तार उनकी रिहाई का सामूहिक उत्सव है। उपवास खजूर, फल, मिठाई और मांस का सेवन करके मनाया जाता है। इसमें भाजपा नेताओं सहित बड़ी संख्या में अन्य धर्मों द्वारा भाग लिया जाता है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों से, भाजपा नेताओं ने इससे परहेज किया है। लेकिन इस बार इसे मोदी द्वारा इस्लाम के करीब लाया जाएगा। भाजपा नेताओं को अब जलपाकों से डरने की जरूरत नहीं होगी। दिलचस्प बात यह है कि देश के लाखों गरीब मुसलमानों के लिए प्रधानमंत्री की विशेष यात्रा में इफ्तार घटकों को भी शामिल किया जाएगा।

यह कदम, निश्चित रूप से, भाजपा और इस्लाम के बीच बढ़ती खाई को पाटने में महत्वपूर्ण है। कुछ समय पहले तक, देश भर में जीवन के सभी क्षेत्रों के निर्वाचित प्रतिनिधियों के बीच एक भी मुस्लिम नहीं होने के लिए भाजपा की आलोचना की गई थी। विपक्ष को अतीत में ऐसा करने का मौका नहीं मिल सकता है। अतीत में, भाजपा ने मुसलमानों को करीब लाने की कोशिश की है। पसमांदा का अर्थ है 'पीछे छोड़ दिया' या 'पीछे छोड़ दिया'। हमने मुसलमानों को तीन समूहों में विभाजित किया है। 'अशरफ' का अर्थ है उच्च जाति या पारिवारिक मुस्लिम, अज़लाफ का अर्थ है पिछड़ी जाति और अरज़ल का अर्थ है दलित। अंतिम दो समूहों के मुसलमानों को 'पसमांदा' माना जाता है। जिस तरह हिंदू धर्म के 'अन्य पिछड़े' (ओबीसी) भाजपा के करीब थे, मोदी ने खुद तीन साल पहले हैदराबाद में भाजपा के सम्मेलन में अपनी पार्टी को अपनी सलाह दी थी। यह उतना सफल नहीं था। यह भाजपा का प्रयास होगा। एक समय कांग्रेस ऐसा करती थी। मुसलमानों को विशेष आर्थिक सहायता प्रदान करना उनका निर्णय था ताकि वे हज कर सकें। और कई कांग्रेस नेताओं ने उनके इफ्तार खाना में भाग लिया यह दिखाने के लिए कि वे कितने इस्लाम-अनुकूल थे। ताकि पार्टी और उसके कई नेताओं पर मुसलमानों को लाड़ प्यार करने का आरोप लगे।

पिछले कुछ महीनों से वक्फ भूमि मुद्दे पर इस्लामी संगठनों या राजनीतिक दलों की आलोचना की पृष्ठभूमि में मोदी का यह कदम महत्वपूर्ण है। भाजपा और उसके सहयोगियों के खिलाफ इस्लामवादियों का गुस्सा ऐसा है कि विभिन्न मुस्लिम संगठनों ने ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड सहित विभिन्न मुस्लिम संगठनों द्वारा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जिन्हें मूल रूप से धर्मनिरपेक्ष माना जाता है, की इफ्तार रैलियों का बहिष्कार किया। जमात-ए-उलेमा-ए-हिंद जैसे कई महत्वपूर्ण संगठन शामिल हैं। इतना ही नहीं संगठन ने नीतीश कुमार को पत्र लिखकर भी कहा था, 'आपकी धर्मनिरपेक्षता को क्या हो गया?'। उसने सीधे पूछा। अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा का वादा करने वाले आप वक्फ विधेयक का समर्थन कैसे कर सकते हैं क्योंकि भाजपा के साथ आपका गठबंधन है? पत्र में यह भी पूछा गया है, बिहार बस कुछ ही महीने दूर है और महाराष्ट्र के इन चुनावों में पुनर्जीवित होने की संभावना है, जैसे भाजपा ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में महाराष्ट्र में चुनाव लड़ा था; लेकिन कई लोगों का मानना है कि चुनाव के बाद नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे, ठीक वैसे ही जैसे जीत के बाद उनसे मुख्यमंत्री पद छीन लिया गया था। यानी अगर नीतीश कुमार का 'एकनाथ शिंदे' करना है तो साफ सुथरी जीत हासिल करनी चाहिए। अगर वह ऐसा चाहते हैं तो मुस्लिम वोटों की भी जरूरत होनी चाहिए। क्योंकि बिहार महाराष्ट्र नहीं है। उस राज्य में महत्वपूर्ण मुस्लिम मतदाता हैं। उन्हें आकर्षित करने के लिए, भाजपा इस्लामोफोटिक नहीं है। यह ऐसी छवि बनाने के लिए नीचे आया। मोदी के नवीनतम ईद 'आनंद शिधा' निर्णय का उपयोग उस दिशा में किया जाएगा। हालांकि, इस तरह के लोकलुभावन फैसलों का एक निश्चित परिणाम होता है।

यह भी है कि उन्हें आसानी से वापस नहीं लिया जा सकता है, जैसे कि हज यात्रा सब्सिडी या नवीनतम चुनाव-केंद्रित 'लड़की वाहिनी' योजना। यदि कोई ऐसे निर्णयों को उलटने की कोशिश करता है, तो इसके राजनीतिक परिणाम होते हैं और जब वे दिखाई देने लगते हैं, तो राजनीतिक दलों के पैर लटकने लगते हैं। यह सच है कि भाजपा ने अपनी मजबूत और एकमात्र हिंदू रक्षक छवि बनाने के लिए 'हज यात्रा' सब्सिडी को रद्द करने का फैसला किया। लेकिन अगली राजनीतिक यात्रा के लिए, उन्हें उसी श्रृंखला में ईद के लिए एक खुशहाल राशन योजना के साथ आना होगा। यह भी उतना ही सच है। बिहार के बाद, उत्तर प्रदेश में चुनाव हैं और बिहार की तरह, उत्तर प्रदेश में एक बड़ी मुस्लिम आबादी है। भाजपा को उतना ही फायदा हुआ है, जितना उस राज्य के हिंदू संगठनों को मिल सकता है। हाल ही में 'महाकुंभ' पर्व होने के कारण यह कुछ समय तक उपलब्ध रहेगा। भाजपा यह सुनिश्चित करने की कोशिश करती रहेगी कि दुर्घटनाओं, भगदड़ से होने वाली मौतों आदि को नजरअंदाज कर उसे फायदा होता रहे, लेकिन अब उसे उससे आगे बढ़ना होगा, जिसमें उत्तर प्रदेश में मियां मुलायम की समाजवादी पार्टी भी शामिल है, जिस तरह भाजपा ने उन 'मियां' को भारत रत्न देने का पुण्य कार्य किया था। सिर्फ इसलिए कि कथित राजनीतिक तात्कालिकता इसका कारण है, इसके सामाजिक महत्व को कम नहीं करता है। यह इतिहास है कि एक समय इस राजनीतिक तात्कालिकता ने कांग्रेस को मुसलमानों को खुश करने की आवश्यकता महसूस कराई थी। यदि इसके पुनरुद्धार से औरंगजेब के गंभीर मुद्दों को दरकिनार कर दिया जाएगा, तो यह स्वागत योग्य है। कई अन्य योजनाओं की तरह, इस ईद-शिधा योजना का नाम बदलकर 'सौगत-ए-मोदी' कर दिया गया है। सौगत का अर्थ है उपहार। लेकिन यह सर्व-धार्मिक स्नेह भारत का उपहार और संस्कृति है। इसलिए, इसे 'सौगत-ए-हिंद' के रूप में वर्णित करना अधिक उपयुक्त है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

ब्रह्मपुत्र से जुड़े चीन के सभी घटनाक्रमों पर सावधानीपूर्वक नजर रख रही है सरकार : कीर्ति वर्धन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने देश के हितों को सर्वोपरि बताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि ब्रह्मपुत्र नदी से संबंधित सभी घटनाक्रमों पर वह सावधानीपूर्वक नज़र रख रही है, जिसमें चीन द्वारा जलविद्युत परियोजना बनाने की योजना भी शामिल है।

राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में, विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने यह भी बताया कि भारत सरकार देश के हितों की रक्षा के लिए सीमा पार नदियों के मुद्दे पर चीन के साथ संपर्क में है। उन्होंने आगे कहा कि ब्रह्मपुत्र के निचले इलाकों में रहने वाले भारतीय नागरिकों के जीवन और आजीविका की रक्षा के लिए ''निवारक और सुधारात्मक उपाय'' किए जा रहे हैं।

विदेश मंत्रालय से पूछा गया कि क्या यह सच है कि चीन ने यारलुंग त्सांगपो पर एक मेगा जलविद्युत परियोजना के निर्माण को मंजूरी दी है, जबकि भारत ने इसके निचले इलाकों में जल प्रवाह और पारिस्थितिकी पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में चिंता जताई है।

चीन में ब्रह्मपुत्र नदी को यारलुंग त्सांगपो कहा जाता है।

सिंह ने कहा, ''भारत सरकार का ध्यान तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो नदी के निचले हिस्से पर स्वीकृत एक मेगा बांध परियोजना की चीन की घोषणा पर है।'' उन्होंने कहा कि सरकार ''चीन द्वारा जलविद्युत परियोजनाओं को विकसित करने की योजनाओं सहित ब्रह्मपुत्र नदी से संबंधित सभी घटनाक्रमों पर सावधानीपूर्वक नज़र रखती है, और अपने हितों की रक्षा के लिए आवश्यक उपाय करती है। इसमें निचले इलाकों में रहने वाले भारतीय नागरिकों के जीवन और आजीविका की रक्षा के लिए निवारक और सुधारात्मक उपाय शामिल हैं।''

सिंह ने बताया कि सीमा पार नदियों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चीन के साथ 2006 में स्थापित संस्थागत विशेषज्ञ स्तरीय व्यवस्था के दायरे में और राजनयिक माध्यम से चर्चा की जाती है। उन्होंने कहा, ''सीमा पार नदियों के पानी को लेकर सरकार ने लगातार चीनी अधिकारियों को अपने विचार और चिंताओं से अवगत कराया है, और उनसे यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि ऊपरी इलाकों में किसी भी गतिविधि से निचले इलाकों के राज्यों के हितों को नुकसान न पहुंचे।''

भारत के 284 अरबपतियों के पास देश के सकल घरेलू उत्पाद का एक-तिहाई : रिपोर्ट

मुंबई/भाषा। भारत के 284 अरबपतियों की कुल संपत्ति देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का एक-तिहाई हिस्सा है। बृहस्पतिवार को जारी 'हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट' के अनुसार, अदाणी समूह का नेतृत्व करने वाले गौतम अदाणी की संपत्ति में वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक इजाफा हुआ। उनकी संपत्ति एक लाख करोड़ रुपए बढ़कर 8.4 लाख करोड़ रुपए हो गई है। वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुकेश अंबानी की संपत्ति 13 प्रतिशत घटकर 8.6 लाख करोड़ रुपए रह गई है। हालांकि, सबसे अमीर एशियाई का खिताब उन्होंने फिर से हासिल कर लिया है। अदाणी को हिंडनबर्ग रिपोर्ट द्वारा उनके समूह में प्रशासनिक खामियों की ओर इशारा किए जाने के बाद काफी नुकसान उठाना पड़ा था। हालांकि, उन्होंने ने पिछले वर्ष अपनी संपत्ति में 13 प्रतिशत की वृद्धि देखी। रिपोर्ट में कहा गया देश में 284 अरबपति हैं, जिनकी कुल संपत्ति 10 प्रतिशत बढ़कर 98 लाख करोड़ रुपए या देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का एक-तिहाई हो गई है। देश के कुछ ही हाथों में संपत्ति के संकेन्द्रण की चिंताओं के बीच जारी सूची के अनुसार, भारत ने प्रत्येक अरबपति की औसत संपत्ति के मामले में चीन को पीछे छोड़ दिया है। चीन के 29,027 करोड़ रुपए की तुलना में देश में प्रत्येक अरबपति की औसत संपत्ति 34,514 करोड़ रुपए है। सूची में 'कट-ऑफ' तिथि 15 जनवरी मानी गई है। इसमें कहा गया कि पिछले वर्ष 175 भारतीय अरबपतियों की संपत्ति में वृद्धि हुई है।

उद्घाटन

कांग्रेस महासचिव और वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने सुल्तान बाथरी के पुलपल्ली में नए ग्राम पंचायत कार्यालय परिसर के उद्घाटन के दौरान दीप प्रज्वलित किया।

ट्रंप की आयातित वाहनों व घटकों पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा, अप्रैल से होगा लागू

वाशिंगटन/एपी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि वह आयातित वाहनों व घटकों पर 25 प्रतिशत शुल्क लगा रहे हैं। व्हाइट हाउस का दावा है कि इससे घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा, लेकिन वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भर वाहन विनिर्माताओं पर वित्तीय दबाव भी पड़ सकता है। ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, ''इससे वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। हम प्रभावी रूप से 25 प्रतिशत शुल्क लगाएंगे।''

शुल्क से व्हाइट हाउस को सालाना 100 अरब अमेरिकी डॉलर का राजस्व मिलने की उम्मीद है। हालांकि यह आसान नहीं होगा क्योंकि अमेरिकी वाहन विनिर्माता भी अपने कई कलपुर्जे व घटक दुनिया भर से खरीदते हैं। अप्रैल से शुरू होने वाली कर वृद्धि का मतलब है कि वाहन विनिर्माताओं को उच्च लागत और कम बिक्री का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, ट्रंप का तर्क है कि शुल्क के कारण अमेरिका में और अधिक कारखाने खुलेंगे तथा वह ''बेकार'' आपूर्ति श्रृंखला समाप्त हो जाएगी, जिसके माध्यम से अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में वाहन कलपुर्जों और तैयार वाहनों का विनिर्माण किया जाता है। ट्रंप ने अपने द्वारा हस्ताक्षरित शुल्क निर्देश के प्रति अपनी गंभीरता को रेखांकित करते हुए कहा, ''यह स्थायी (फैसला) है।'' राष्ट्रपति ने कहा कि वाहनों पर शुल्क तीन अप्रैल से वसूला जाना शुरू किया जाएगा। इस बीच, बुधवार को कारोबार में जनरल मोटर्स के शेयर में करीब तीन प्रतिशत की गिरावट आई। फोर्ड के शेयर में मामूली बढ़त दर्ज की गई। जीप तथा क्रिसलर का स्वामित्व रखने वाली स्टेलेंटिस के शेयर में भी करीब 3.6 प्रतिशत की गिरावट आई।

पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स की वरिष्ठ 'फेलो' अर्थशास्त्री मैरी लवली ने कहा, '' हम वाहनों की कीमतों में काफी वृद्धि देख रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमें कम विकल्प देखने को मिलेंगे। इस तरह के वाहनों का बोझ मध्यम और कामकाजी वर्ग पर अधिक पड़ता है।'' उन्होंने कहा कि अधिकतर परिवार नई कार बाजार से बाहर हो जाएंगे जहां पहले से ही औसतन कीमत करीब 49,000 अमेरिकी डॉलर हैं और उन्हें पुरानी गाड़ियों को ही अपनाना होगा। यदि करों का पूरा बोझ उपभोक्ताओं पर डाला जाए तो आयातित वाहन की औसत कीमत 12,500 अमेरिकी डॉलर तक बढ़ सकती है, जो कुल मुद्रास्फीति को बढ़ा सकती है। वैश्विक नेताओं ने शुल्क की आलोचना करने में देर नहीं लगाई जो इस बात का संकेत है कि ट्रंप व्यापक व्यापार युद्ध को तेज कर सकते हैं जिससे दुनिया भर में वृद्धि को नुकसान पहुंच सकता है।

राम चरण की फिल्म 'पेड्डी' का फर्स्ट लुक हुआ रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

ग्लोबल स्टार राम चरण के जन्मदिन पर उनकी आने वाली फिल्म पेड्डी का धमाकेदार फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया गया है। राम चरण अपनी बहुप्रतीक्षित 16वीं फिल्म के साथ सिल्वर स्क्रीन पर तहलका मचाने के लिए तैयार हैं, जिसका निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्मकार बुची बाबू सना (उप्पेना) ने किया है। यह पैन-इंडिया स्पेक्टेकल प्रमुख प्रोडक्शन हाउस मिथ्री मूवी मेकर्स द्वारा प्रस्तुत किया गया है, साथ ही सुकोमार राइटिंग्स के सहयोग से और इसे विजनरी निर्माता वेंकट सत्येश किलारू द्वारा उनके महत्वाकांक्षी बैनर वृधि सिनेमा के तहत निर्मित किया गया है। मेकर्स ने कल एक प्री-लुक पोस्टर जारी किया, जिसने पहले लुक के अनावरण से पहले भारी जिज्ञासा को जन्म दिया। राम चरण के जन्मदिन पर उन्हें शुभकामनाएं देते हुए, उन्होंने फिल्म का शीर्षक 'पेड्डी 'आधिकारिक रूप से घोषित किया।

फर्स्ट-लुक पोस्टर में रामचरण को एक सख्त, नॉन-सेंसिकल अवतार में दिखाया गया है।उनकी तीव्र आँखें, अस्त-व्यस्त बाल, बेतरतीब दाढ़ी और नथ, अडिग प्रभुत्व का आभास देती हैं। कड़क कपड़े पहने और सिगार पीते हुए, वह एक ऐसे किरदार को जीते हैं जो बिना किसी झिझक के ताकत और रौद्रता से भरा हुआ है। एक दूसरे पोस्टर में उन्हें एक पुरानी क्रिकेट बैट के साथ दिखाया गया है, और बैकग्राउंड में एक ग्रामीण स्टेडियम के स्टेडियम में फ्लड लाइट्स जलती हुई दिखाई देती हैं। फिल्म पेड्डी की तकनीकी टीम में उद्योग के कुछ सबसे बेहतरीन प्रतिभाएं शामिल हैं। ऑस्कर विजेता संगीतकार ए.आर. रहमान संगीत के मामले में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं, जो एक अविस्मरणीय साउंडट्रैक बनाने का वादा करते हैं। शानदार दृश्यों का निर्माण प्रसिद्ध सिनेमाटोग्राफर आर. रत्नवेलू, आई.एस.सी. द्वारा किया जाएगा, जबकि राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संपादक नवीन नूली फिल्म की तेज संपादन की जिम्मेदारी संभालेंगे। उत्पादन डिजाइन की जिम्मेदारी उद्य कुशल अविनाश कोल्ला ने ली है, जो अपनी रचनात्मक उत्कृष्टता को फिल्म में प्रस्तुत करेंगे। फिल्म पेड्डी में प्रमुख भूमिकाओं में राम चरण, जान्हवी कपूर, शिवराजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु शर्मा नजर आएंगे। इसे बुची बाबू सना ने लिखा और निर्देशित किया है, और मैत्री मूवी मेकर्स और सुकोमार राइटिंग्स द्वारा प्रस्तुत किया गया है, और वृधि सिनेमा के बैनर तले निर्मित किया गया है। फिल्म का निर्माण वेंकट सत्येश किलारू द्वारा किया गया है, जबकि संगीत ए.आर. रहमान द्वारा, सिनेमाटोग्राफी आर. रत्नवेलू द्वारा, उत्पादन डिजाइन अविनाश कोल्ला द्वारा, संपादन नवीन नूली द्वारा और कार्यकारी निर्माता के रूप में वी. वाई. प्रभीन कुमार होंगे।

मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर को यूथ आइकॉन का खिताब मिला

मुंबई/एजेन्सी

मिस वर्ल्ड का ताज पहनने के बाद से ही मानुषी छिल्लर महज़ एक सुंदरता की मिसाल भर नहीं रहीं, बल्कि वे अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं। एक ग्लोबल आइकन के रूप में, उन्होंने न केवल समाजसेवा में अपने जुनून को आगे बढ़ाया है, बल्कि लक्ज़री, फ़ैशन और ब्यूटी इंडस्ट्री में भी अपनी जगह बनाई है। इसके साथ ही, उन्होंने अभिनय और उद्यमिता (एंटरप्रेन्योरशिप) में भी अपनी पहचान बनाई है। हाल ही में, मानुषी को एक प्रतिष्ठित समिट में 'यूथ आइकन' के रूप में सम्मानित किया गया, जहाँ उनकी कड़ी मेहनत और सफलता की प्रेरणादायक यात्रा को सराहा गया। मानुषी को एक युवा पैनल में बात करने के लिए आमंत्रित किया गया, जहाँ उन्हें यूथ आइकॉन के सम्मान से सम्मानित किया गया। सफेद रंग

के एलिगेंट थ्री-पीस ब्लेज़र में वह बेहद आत्मविश्वास से भरी नजर आईं और उन्होंने समिट के दौरान पूछे गए सभी सवालों के बेहतरीन जवाब दिए। मानुषी ने कई मौकों पर साबित किया है कि वह सिर्फ ब्यूटी क्वीन ही नहीं हैं, बल्कि एक बहुमुखी और बहु-प्रतिभाशाली व्यक्तित्व भी हैं, जिन्होंने अपनी प्रसिद्धि और पहचान का उपयोग दुनिया में महत्वपूर्ण प्रभाव पैदा करने में किया है।

वर्क फ्रंट की बात करें तो, हाल ही में वेला प्रोफेशनल्स की ब्रांड एंबेसडर बनीं मानुषी जल्द ही जॉन अब्राहम के साथ फ़िल्म तेहरान में नज़र आएंगी, जो इस समय पोस्ट-प्रोडक्शन में है और 2025 की दूसरी छमाही में रिलीज़ होने की संभावना है। इसके अलावा, वह राजकुमार राव की गैंगस्टर ड्रामा फ़िल्म मालिक में भी मुख्य भूमिका निभा रही हैं, जो 20 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

'रेड-2' में विलेन का किरदार निभाएंगे रितेश देशमुख

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता रितेश देशमुख अपनी आने वाली फिल्म रेड 2 में विलेन का किरदार निभाते नजर आयेंगे। फिल्म रेड 2 में अजय देवगन की मुख्य भूमिका है। राजकुमार गुप्ता के निर्देशन में बन रही यह फिल्म वर्ष 2018 में प्रदर्शित फिल्म रेड की सीक्वल है। फिल्म रेड बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। अब रेड 2 सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। फिल्म रेड 2 को लेकर फैन्स में उत्साह देखा जा रहा है। अजय देवगन ने खुलासा किया है कि रेड 2 में विलेन कौन होगा। फिल्म रेड 2 में रितेश देशमुख विलेन बने हैं और फिल्म से जुड़ा उनका पहला लुक सामने आया है। इस फिल्म ने रितेश के कैरेक्टर का नाम दादा भाई है, जो एक राजनेता

है। अजय देवगन ने रितेश देशमुख का पहला लुक पोस्टर अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। पोस्टर शेयर कर उन्होंने लिखा- कानून का मोहताज नहीं कानून का मालिक है दादा भाई। रेड 2 को 1 मई को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में देखें। फिल्म रेड 2 में अजय देवगन और रितेश देशमुख के अलावा फिल्म में वाणी कपूर भी नजर आएंगी।

उद्घाटन

अभिनेत्री अनन्या पांडे लक्मी कलेक्शन के भव्य उद्घाटन के दौरान डिजाइनर अनामिका खन्ना के लेबल के लिए शोस्टॉपर के रूप में चलती हुई।

हॉरर शो 'आमी डाकिनी' में हितेश भारद्वाज और राचि शर्मा की एंट्री

मुंबई/एजेन्सी

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के आगामी डरावने हॉरर शो 'आमी डाकिनी' में हितेश भारद्वाज और राचि शर्मा की एंट्री हो गयी है। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न, जिसने भारतीय दर्शकों को आइकॉनिक हॉरर सीरीज़ आहट से परिचित कराया था, अब अपने नए शो 'आमी डाकिनी' के साथ सुपरनैचुरल जॉनर की नई परिभाषा गढ़ने के लिए तैयार है। यह रोमांचक नया शो हॉरर, मिस्ट्री और ड्रामा का अनूठा मिश्रण है, जिसकी कहानी कोलकाता के रहस्यमयी माहौल में गढ़ी गई है। इस डरावनी कहानी के केंद्र में हैं अयान रॉय चौधरी और मीरा घोष, जिनका किरदार क्रमश: हितेश भारद्वाज और राची शर्मा निभा रहे हैं। अयान परालौकिक शक्तियों पर विश्वास नहीं करता। हालांकि जब एक प्रतिशोधपूर्ण आत्मा उसकी जान के पीछे पड़ जाती है तो उसे इस पर यकीन होने लगता है। वहीं, मीरा एक भोली लेकिन निडर लड़की है, जो खुद को अपने परिवार की रक्षक मानती है।

अपनी भूमिका की पुष्टि करते हुए, हितेश भारद्वाज ने उत्साहपूर्वक कहा, अयान मेरे पिछले किसी भी किरदार से बिल्कुल अलग है। डरावनी पृष्ठभूमि और किरदार की भावनात्मक गहराई इसे दर्शकों के लिए बेहद मनोरंजक बनाती है। अयान और मीरा का रिश्ता एक अप्रत्याशित मोड़ पर शुरू होता है, और जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, उनके रिश्ते की परीक्षा एक ऐसी कसौटी पर की जाती है जिसकी कल्पना उनमें से किसी ने भी नहीं की होगी। यह एक गहन लेकिन फायदेमंद प्रक्रिया रही है, और मैं दर्शकों के समक्ष इस सफर को पेश करने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूं।

राचि शर्मा अपने किरदार के बारे में कहा,मीरा की मासूमियत उसे हॉरर शो में एक नई तरह का किरदार बनाती है। वह कोई साधारण डरी-सहमी लड़की नहीं है, बल्कि हर चुनौती का डटकर सामना करती है। मीरा और अयान की शख्सियतें बिल्कुल अलग हैं, और यही अंतर उनके बीच के कई अप्रत्याशित पल पैदा करता है। इस किरदार को गढ़ने का अनुभव शानदार रहा, और मैं दर्शकों की प्रतिक्रिया के लिए बेहद उत्साहित हूं।

सावित्रीबाई फुले का किरदार पर्दे पर निभाना बड़ी जिम्मेदारी थी : पत्रलेखा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री पत्रलेखा की अपकमिंग बायोपिक 'फुले' का ट्रेलर हाल ही में लॉन्च हुआ। फिल्म में अभिनेत्री सावित्रीबाई फुले की भूमिका में हैं। अभिनेत्री ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात की और बताया कि पर्दे पर सावित्रीबाई फुले का किरदार निभाना, उनके लिए एक बड़ी जिम्मेदारी थी और उनका यह सफर भावनाओं से भरा रहा। इसे एक परिवर्तनकारी और बेहद प्रेरणादायक अनुभव बताते हुए, पत्रलेखा ने कहा कि समाज सुधारक की भूमिका निभाना उनके लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी थी, उन्होंने उनके संघर्ष, ताकत और विरासत को पर्दे पर दिखाने का प्रयास किया। उन्होंने बताया, जब मुझे इस भूमिका के लिए संपर्क किया गया, मेरे विचार स्पष्ट थे।

जब मैंने पहली बार अनंत सर से बात की, तो उन्होंने मुझे स्क्रिप्ट भेजी, जो काफी बड़ी थी। मुझे याद है कि मैंने उन्हें फोन करके कहा था, सर, यह स्क्रिप्ट बहुत बड़ी है। मेरे पास पढ़ने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन उन्होंने मुझे आश्वस्त करते हुए कहा कि यह सिर्फ पहला ड्राफ्ट है और वे इसे और बेहतर बनाएंगे। डेढ़ साल बाद, मुझे अंतिम स्क्रिप्ट मिली और यह खूबसूरती से लिखी गई थी। मैं मना नहीं कर सकी। मुझे बस इतना पता था कि मुझे इसका हिस्सा बनना है।

पत्रलेखा ने सावित्रीबाई फुले के रूप में चुने जाने पर अपनी शुरुआती प्रतिक्रिया के बारे में भी बताया, उन्होंने स्वीकार किया कि वह इतनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए उत्साहित और चिंतित दोनों थीं। अभिनेत्री ने बताया, ईमानदारी से कहूं तो मैं तुरंत ही इस किरदार की ओर आकर्षित हो गई। यह सिर्फ एक ऐतिहासिक शख्सियत का किरदार निभाने के बारे में नहीं था, यह साहस की कहानी के बारे में था। जब अनंत सर और मैंने पहली बार बात की, तो मैं ऐसे महत्वपूर्ण व्यक्ति का किरदार निभाने को लेकर चिंतित थी, लेकिन उन्होंने मेरी मदद की। उन्होंने कहा, अपनी चिंताओं को छोड़ो और बस करो। उस आश्वासन ने मुझे बहुत आत्मविश्वास दिया। बेशक यह चुनौतीपूर्ण था, लेकिन एक बार जब मैं सेट पर गई, तो घबराहट गायब हो गई।

फिल्म में सावित्रीबाई का किरदार निभाना उनके लिए कितना चुनौतीपूर्ण था, इस बारे में अभिनेत्री ने कहा, मैं पहले तो काफी चिंतित थी, लेकिन अनंत सर ने मेरी मदद की। उन्होंने मुझे चीजों को समझने और अपना आत्मविश्वास पाने का मौका दिया। इस तरह के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक किरदार को निभाना कोई आसान काम नहीं है। टीम के सहयोग से मुझे किरदार में पूरी तरह से ढलने का आत्मविश्वास मिला। अनंत महादेवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में ज्योतिराव फुले की भूमिका में प्रतीक गांधी हैं। यह महात्मा फुले की 197वीं जयंती के मौके पर 11 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | शुक्रवार | 28-03-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के एफ़केसीसीआई ऑडिटोरियम में बुधवार शाम को जीतो लेडीज विंग, साउथ चैप्टर और जीतो केकेजी जोन द्वारा राजस्थानी रंगारंग कार्यक्रम 'मेरी संस्कृति, मेरा गौरव' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन, नवकार मंत्र उच्चारण और अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ।

उत्साहवर्धन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के लग्गेरे फ्रेंड्स संगठन द्वारा लग्गेरे खेल मैदान में एलपीएल कप क्रिकेट स्पर्धा का आयोजन किया गया, जिसमें 10 से ज्यादा टीमों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और विजेता टीम को पुरस्कृत किया। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

'मेरी संस्कृति, मेरा गौरव' कार्यक्रम में राजस्थानी सांस्कृतिक विरासत की दिखी झलक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के एफ़केसीसीआई ऑडिटोरियम में बुधवार शाम को जीतो लेडीज विंग, साउथ चैप्टर और जीतो केकेजी जोन द्वारा राजस्थानी रंगारंग कार्यक्रम 'मेरी संस्कृति, मेरा गौरव' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन, नवकार मंत्र उच्चारण और अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। जीतो साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी, उप चेयरमैन महेंद्र रांका, मुख्य सचिव नितिन लूनिया, कोषाध्यक्ष नेमीचंद चोपड़ा, संयुक्त कोषाध्यक्ष महावीर दांतेवाड़िया, पूर्व अध्यक्ष दिनेश बोहरा, लेडीज विंग के समन्वयक प्रवीण सोफ़ाड़िया, जॉब एपेक्स की सचिव भारती तलेसरा, जे पोइंट की समन्वयक अनिता पिरगल, एसएसबी की समन्वयक बिंदु रायसोनी , जेएलडब्ल्यू केकेजी जोन की समन्वयक पिंकी जैन, पूर्व अध्यक्ष प्रमिला भंडारी, निशा सामर, मधु दोषी आदि उपस्थित थे। रणजीत सोलंकी ने अपनी संस्कृति से जुड़े रहने और परिवार में संस्कारों की अहमियत पर विचार व्यक्त किए।

लेडीज चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने स्वागत करते हुए कहा कि जीतो सेवा, ज्ञान व आर्थिक सशक्तिकरण इन तीन मजबूत स्तंभों पर कार्य कर रहा है। निधि पालरेचा ने कहा कि 'मेरी संस्कृति, मेरा गौरव' अपनी मातृभूमि के प्रति सबके लगाव को दर्शाता है। पिंकी जैन ने कहा कि बच्चों को अपनी मातृभाषा सिखाने का दायित्व माता पिता पर है। इस कार्यक्रम के संयोजक की भूमिका रेखा जैन और प्रिया जैन ने निभाई। उप चेयरपर्सन नीलम सांड, कोषाध्यक्ष संगीता पारख, सहसचिव साक्षी नाहर और चंद्रा जैन ने व्यवस्था संभाली। 'मेरी संस्कृति, मेरा गौरव' का उद्देश्य अपनी मातृभूमि, राजस्थान से दूर बसे परिवारों को अपनी मूल परंपराओं की गरिमा को करीब से महसूस करना था।

इस मौके पर जीतो साउथ लेडीज ने अपनी संस्कृति व सभ्यता को दर्शाते हुए एक नाटक का मंचन किया जिसमें राजस्थान की संस्कृति, संयुक्त परिवार, संस्कारों का वातावरण, पारिवारिक प्रेम, परिवार में बहु बेटियों के सम्मान व अधिकार आदि विषयों पर विभिन्न प्रसंगों का मंचन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा गणेश वंदना नृत्य और विज्ञापनों के नाट्य रूपांतर की प्रस्तुति आकर्षण का केन्द्र रहीं। महिला विंग की सदस्याओं ने पारंपरिक राजस्थानी पोशाक व आभूषण पहनकर फ़ैशन शो कर पूरे माहौल को राजस्थानी व राजसी बना दिया। कार्यक्रम के सूत्रधार सौरभ जैन थे।

केरल में पंचायतों के कामकाज पर गर्व : प्रियंका गांधी

वायनाड/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्हें केरल में पंचायतों के काम करने के तरीके पर गर्व है। वायनाड से सांसद ने कहा कि उन्होंने खुद देखा है कि पिछले साल पहाड़ी जिले में भूस्खलन के बाद पंचायतों ने कितनी कुशलता से काम किया। वाद्रा ने कहा कि पिछले साल भूस्खलन के बाद जब वह यहां आईं तो उन्होंने देखा कि पंचायत सदस्य तबाही, दर्द और ''पीड़ा के बीच'' किस कुशलता, ''समर्पण और प्रतिबद्धता'' के साथ काम कर रहे थे।

उन्होंने कहा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे किस राजनीतिक दल से थे। हर एक व्यक्ति उन आपदा पीड़ितों की मदद करने में जुटा था, जिन्होंने अपने प्रियजनों, घरों और आजीविका को खो दिया था। मेरे लिए, यह वायनाड के लोगों के साहस, शक्ति और लचीलेपन की पहली झलक थी। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ने 1980 के दशक में पंचायती राज अधिनियम लाया था, ताकि लोकतंत्र को देश के हर गांव और घर तक पहुंचाने के महात्मा गांधी के सपने को पूरा किया जा सके। वायनाड से सांसद अपने निर्वाचन क्षेत्र के तीन-दिवसीय दौरे पर आई हैं। वह आकांक्षी जिला कार्यक्रम' की पुरस्कार राशि से वित्त-पोषित कई परियोजनाओं के उद्घाटन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं।

इन परियोजनाओं में स्मार्ट आंगनवाड़ी (अंगादिसिरी), सिट्टिदुकुन्नु लिफ्ट सिंचाई परियोजना और इरीथिलोट्टुकन्नू चेक डैम शामिल हैं। वाद्रा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पंचायत सदस्यों की कार्यप्रणाली को उन्होंने दूसरी बार वायनाड लोकसभा उपचुनाव के दौरान देखा था। उन्होंने कहा, उनमें से प्रत्येक व्यक्ति अपने राजनीतिक झुकाव से इतर, पूर्ण समर्पण के साथ लोकतांत्रिक प्रक्रिया में पूरी तल्लीनता से शामिल था। वाद्रा ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे समाज और लोकतंत्र को संभालती हैं तथा अगली पीढ़ी का पालन-पोषण करती हैं, उन्हें अच्छे मूल्य सिखाती हैं तथा सही रास्ता दिखाती हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि वह मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा) और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के रूप में काम करने वाली महिलाओं की समस्याओं से अवगत हैं और उन्हें आश्वासन दिया कि केरल के सभी सांसद सामूहिक रूप से यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं कि उनको वह वेतन मिले जिसके वे हकदार हैं।

परिवार में सुख व समृद्धि बनाए रखने हेतु धर्म जरूरी है : साध्वीश्री संयमलता

बेंगलूरु। शहर के राजाजीनगर स्थित तेरापंथ भवन में साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में 'कंप्लेन नहीं कॉम्प्लीमेन्ट करें'। विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। साध्वीश्री संयमलताजी

ने कहा कि जीवन में उत्तार चढ़ाव आते रहते हैं। हमें जीवन में सफलता-असफलता का लेखा-जोखा मिलाकर उसे सुधारने की कोशिश करनी चाहिए। जीवन में कभी भी पारस्परिक विश्वास पर शंका का डंका नहीं बजने देना चाहिए। साध्वीश्री मार्दवश्रीजी ने कहा कि धर्म व धन एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। जो धर्म आदमी के आचरण व जीवन को न बदले, घर को स्वर्ग न बना सके, ऐसा धर्म किसी काम का नहीं होता। परिवार में सुख व समृद्धि बनाए रखने हेतु धर्म जरूरी है। इस अवसर पर तेरापंथ राजाजीनगर सभा के अध्यक्ष अशोक चौधरी, तेयुप के अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, महिला मंडल की अध्यक्ष उषा चौधरी आदि उपस्थित थे।

सिद्धांतों और परंपराओं के आधार पर महावीर जन्म कल्याणक मनाने की आवश्यकता : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

अनेक संघों और संगठनों के प्रतिनिधियों को आचार्यश्री ने दिया मार्गदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित सिमंधर शांतिसूरी जैन श्वेताम्बर संघ के तत्वावधान में गुरुवार को एक धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि भगवान महावीरस्वामी का नाम लेने वाले तो लाखों हैं, पर उनके काम करने वाले बहुत कम। सिर्फ उनके नाम स्मरण तथा मंदिरों और मूर्तियों के निर्माण से काम पूरा नहीं हो जाता। उनके विश्व कल्याणकारी सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाना बहुत जरूरी है। वही धर्म की सच्ची प्रभावना है और वह धर्म की आराधना जितनी ही महत्वपूर्ण है। आज धर्म की आराधना करने वालों की तादाद बढ़ी है लेकिन धर्म की प्रभावना का कार्य बहुत पीछे छूट गया है। भोजन समारोह, भेंट-सौगातों और बड़े-बड़े आयोजनों को धर्म की प्रभावना समझ लिया गया है, जबकि वास्तविकता यह नहीं है। इस भ्रमित मानसिकता से समाज को बाहर आना होगा। धर्म को जीवंत रखने के लिए महावीरस्वामी के अहिंसा, अपरिग्रहवाद, अनेकांतवाद, कर्मवाद जैसे सिद्धांतों को समझने और उनके व्यापक प्रसार-प्रचार पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। लोकजीवन में इन सिद्धांतों के गहरे उतरने से विश्वशांति और मानवजाति की उन्नति का मार्ग प्रशस्त होगा। इस प्रकार ही जैनधर्म जिंदा रह सकता है। जैनाचार्य विमलसागरजी ने कहा कि महावीर जन्म कल्याणक सिद्धांतों और परंपराओं के आधार पर मनाने की आवश्यकता है। परस्पर सद्भावना, सामाजिक एकता, युवा जागरण, सामान्य वर्ग की उन्नति, धन से ज्यादा गुणों की पूजा, व्यसनमुक्त समाज, चारित्रिक निर्माण और प्राचीन परंपराओं के निर्वहन के रूप में भगवान महावीरस्वामी का जन्म कल्याणक मनाने की सार्थकता है। धन से धर्म नहीं महकेगा, गुणों से ही उसे आदर्श बनाया जा सकता है। बदलते परिवेश और आधुनिकता की आंधी में यदि हम धर्म के सिद्धांतों अथवा अपनी परंपराओं को बदलते चले गए तो धर्म और समाज का बहुत अहित हो जाएगा, जो किसी के लिए भी शुभ नहीं होगा।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने उपस्थित बेंगलूरु के विभिन्न जैन संप्रदायों और वर्गों के लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि आगामी 10 अप्रैल को हर जैन को टाउन हॉल से प्रभु महावीरस्वामी के जन्मकल्याणक की शोभायात्रा में सम्मिलित होना है। उस दिन छोटे-बड़े हर जैन को एक शुभ संकल्प लेना है। पिछले सैंतीस वर्षों से बेंगलूरु का जैन युवा संगठन जो आयोजन कर रहा है, उसे ऐतिहासिक बनाना है। इस बार का आयोजन सार्थक स्वरूप में लंबे समय तक याद किया जाना चाहिए। महावीर हमारे हैं, पर हम महावीर के हैं या नहीं, यह तभी सिद्ध होगा। इस अवसर पर शहर के अनेक जैन संघों और संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। शुक्रवार को आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी, गणि पद्मविमलसागरजी और सहवर्ती श्रमणजन वीवी पुरम से पदयात्रा कर नगरथपेट स्थित अजीतनाथ जैन संघ में जाएंगे।

बजट सत्र

नई दिल्ली में अठारहवीं लोकसभा के बजट सत्र के दौरान संसद भवन में भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या और उनकी पत्नी शिवश्री स्कंदप्रसाद गुरुवार को संसद भवन जाते हुए।

संतश्री विनयमुनि 'भीम' जिनशासन के एक अनुभवी संत थे : आलेखमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर में विराजित श्री आलेखमुनिजी के सान्निध्य में बुधवार को दिवंगत हुए श्रमण संघीय

वरिष्ठ संत उपप्रवर्तक श्री विनयमुनिजी 'भीम' की स्मृति में गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया। अलसूर श्रावक संघ के मंत्री अभयकुमार बांठिया ने दिवंगत संतश्री का गुणानुवाद करते हुए कहा कि एक सैनिक हो या संत, दोनों के चरित्र निर्माण में बहुत परिश्रम लगता है। संत हमारे मार्गदर्शक होते हैं जो विभिन्न तप और स्वाध्याय से चिंतन कर समाज से अपने अनुभव साझा करते हैं। विनयमुनिजी का जीवन लंबा दीक्षा पर्याय था। विनयमुनिजी जिनशासन के अनुभवी संत थे जिन्होंने बेंगलूरु में भी विचरण किया था और कई स्थानकों के निर्माण के प्रेरक बने थे। पूरे भारत वर्ष में उनके सैकड़ों अनुयायी हैं। उनके निधन से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है।

अपने प्रवचन में आलेखमुनिजी ने कहा कि हमें हमारी प्रवृत्ति पर नजर रखनी चाहिए। हमारे अंतर की वृत्ति ही हमारी प्रवृत्ति का कारण बनती है। धीरे धीरे अभ्यास से हम हमारी वृत्तियों में सुधार कर सकते हैं। श्वेतांबर स्थानकवासी जैन महासंघ की ओर से भी महामंत्री अभयकुमार बांठिया ने दिवंगत संत को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। अलसूर संघ के अध्यक्ष धनपतराज बोहरा ने भी संतश्री को श्रद्धासुमन अर्पण किए।

चेन्नई में गुरुवार को विधानसभा में अपनी बात पटल पर रखते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन

भाषा विवाद को लेकर स्टालिन का योगी पर निशाना

टिप्पणी को बताया भद्दा राजनीतिक मजाक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बृहस्पतिवार को भाषा विवाद को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा और उनकी टिप्पणी को भद्दा राजनीतिक मजाक' करार दिया।

उन्होंने कहा कि तमिलनाडु किसी भाषा का विरोध नहीं कर रहा है, बल्कि उसे थोपने और 'अंध राष्ट्रवाद' का विरोध कर रहा है।

उन्होंने दावा किया कि दो भाषा नीति और निष्पक्ष परिसीमन पर तमिलनाडु की निष्पक्ष और दृढ़ आवाज देश भर में गूंज रही है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)स्पष्ट रूप से घबरा गई है।

स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, और अब माननीय योगी आदित्यनाथ हमें नफरत पर व्याख्यान देना चाहते हैं? हमें छोड़ दीजिए। यह विडंबना नहीं है। यह भद्दा राजनीतिक मजाक का विद्रूप रूप है। हम किसी भी भाषा का विरोध नहीं करते हैं, हम थोपने और अंधराष्ट्रवाद का विरोध करते हैं। उन्होंने कहा, ''यह वोट के लिए दंगा-फसाद की राजनीति नहीं है। यह सम्मान और न्याय की लड़ाई है।''

स्टालिन ने यह प्रतिक्रिया योगी आदित्यनाथ ने उस कथित बयान पर दी है जिसमें उन्होंने कहा था कि तमिलनाडु कर द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार भाषा के मुद्दे का इस्तेमाल कर विभाजनकारी रणनीति अपना रही है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने सत्तारूढ़ द्रमुक अध्यक्ष स्टालिन पर निशाना साधा।

उन्होंने दावा किया, अब पूरा देश जानता है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री का परिवार निजी विद्यालयों का मालिक है, जो तीन भाषाएं और उससे अधिक पढ़ाते हैं, लेकिन वे राज्य के सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए इसी नीति का विरोध करते हैं...।

द्रमुक हमारा 'एकमात्र दुश्मन', समान विचारधारा वाले दल से हाथ मिलाने को तैयार : पलानीस्वामी

तूतीकोरिन (तमिलनाडु)। अन्नाद्रमुक प्रमुख ए. के. पलानीस्वामी ने बृहस्पतिवार को यहां कहा कि अन्नाद्रमुक की एकमात्र दुश्मन द्रमुक है और पार्टी (अन्नाद्रमुक) किसी भी समान विचारधारा वाले दल के साथ हाथ मिलाने के लिए तैयार है। पलानीस्वामी की हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ बैठक ने अन्नाद्रमुक-भाजपा गठबंधन की अटकलों को हवा दी है। हालांकि उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि चुनावी समझौते केवल चुनाव से पहले ही किए जाते हैं। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव अब से करीब 11 महीने बाद होने हैं।

वायनाड भूस्खलन : केरल के मुख्यमंत्री ने पीड़ितों के लिए मॉडल टाउनशिप की आधारशिला रखी

वायनाड (केरल)/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने बृहस्पतिवार को मुंडक्कई-चूरलमाला क्षेत्रों में पिछले साल भूस्खलन में अपने घर गंवाने वाले लोगों के पुनर्वास के लिए 'मॉडल टाउनशिप' की आधारशिला रखी। यह टाउनशिप यहां कलपेट्टा के एलस्टोन एस्टेट में सरकार द्वारा अधिग्रहित भूमि पर तैयार की जाएगी। इस कार्यक्रम में वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा भी मौजूद थीं। इस टाउनशिप में कलपेट्टा बाईपास के किनारे सरकार द्वारा अधिग्रहित 64 हेक्टेयर भूमि पर सात-सात सेंट के भूखंड पर 1,000 वर्ग फुट के एक मंजिला मकान बनाए जाएंगे।

तमिलनाडु विधानसभा ने केंद्र के प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा ने बृहस्पतिवार को केंद्र के प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक 2024 के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित किया और जोर देकर कहा कि केंद्र सरकार इस विधेयक को वापस ले, क्योंकि यह अल्पसंख्यक मुसलमानों को बुरी तरह प्रभावित करेगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यों के विरोध और बहिर्गमन के बीच पारित प्रस्ताव को मुख्य विपक्षी दल अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) और भाजपा की सहयोगी पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) सहित अन्य सभी दलों का समर्थन प्राप्त हुआ।

प्रस्ताव का नेतृत्व करते हुए मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने कहा कि वक्फ अधिनियम में संशोधन का प्रयास वक्फ बोर्ड की शक्तियों में बाधा उत्पन्न करेगा।

स्टालिन ने कहा, ''यह धार्मिक स्वतंत्रता के खिलाफ है। इससे मुस्लिमों की भावनाएं आहत हो रही हैं।'' उन्होंने दावा किया कि यह अल्पसंख्यकों और उनके संस्थानों के संवैधानिक अधिकारों पर हमला है। स्टालिन ने कहा, हम इसका विरोध जारी रखेंगे।

बाघ के संदिग्ध हमले में एक आदिवासी व्यक्ति की मौत

उधगमंडलम। उधगमंडलम में बाघ के संदिग्ध हमले में 39 वर्षीय आदिवासी व्यक्ति की मौत हो गई। वन विभाग और पुलिस के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान केरतार कुट्टन के रूप में हुई है और वह बुधवार को कुछ लोगों के साथ जंगल में लकड़ी एकत्र करने गया था। उसके वापस न लौटने पर उसकी तलाश शुरू की गई।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com